दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-22 अंक-25 सीहोर, रविवार 09 मार्च 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की दो टूक, बिल्कुल भी भरोसे लायक नहीं चीन

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक कार्यक्रम में भारत की सुरक्षा, चीन और पाकिस्तान को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना तेजी से नई टेक्नोलॉजी को अपना रही है और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।अगर चीन से कभी युद्ध की स्थिति बनती है, तब भारत कितना तैयार है, इस पर सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना नई टेक्नोलॉजी को तेजी से अपना रही है। उन्होंने बताया कि भारत ड्रोन टेक्नोलॉजी सहित हर विकसित हो रही टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है। हमारे पास इसतरह के ड्रोन हैं, जो एके-47 फायर कर सकते हैं और मिसाइल लांच कर सकते हैं। चीन की ओर से ड्रोन अटैक होने की स्थिति में भारत भी काउंटर अटैक के लिए पूरी तरह तैयार है।चीन पर भरोसा करे या नहीं, इस सवाल पर जनरल द्विवेदी ने दो टूक कहा कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी देश के हित में नहीं होता, लेकिन अगर ऐसी स्थिति आती है तब भारतीय सेना अपनी रणनीति और ताकत के हिसाब से पूरी तैयारी के साथ जवाब देने को तैयार है।आंतकी मुल्क पाकिस्तान को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा कि उसकी तरफ से आतंकवाद रोकने को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इसकारण भारतीय सेना को हमेशा तैयार रहना होगा। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर, जहां कभी आतंकवाद का साया हुआ करता था, वहां आज लाखों की संख्या में टूरिस्ट पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा, टेररिज्म से लेकर टूरिज्म तक का सफर तय किया है। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में आतंकियों को मार गिराया है।

18 साल बाद गिरफ्त में आया हिजबुल मुजाहिदीन का इनामी आतंकी

मुरादाबाद(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश पुलिस की आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) को बड़ी सफलता मिली है। एटीएस ने आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के एक फरार और सक्रिय सदस्य उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद सैफुल इस्लाम उर्फ अफजाल उर्फ हुसैन मलिक को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आतंकी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह वर्ष 2002 से फरार चल रहा था।एटीएस के अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर के पुंछ जिले का रहने वाला उल्फत हुसैन हिजबुल मुजाहिदीन के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) स्थित प्रशिक्षण शिविर में ट्रेनिंग लेने के बाद मुरादाबाद में एक बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए आया था। उल्लेखनीय है कि उल्फत हुसैन को पूर्व में 9 जुलाई, 2001 को एके 47, एके 56 व दो पिस्टल, 12 हैंड ग्रेनेड, 50 डेटोनेटर, 29 किलो विस्फोटक और 500 से अधिक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया था।

धर्मांतरण कराने वाले सावधान! सरकार लाने जा रही फांसी की सजा का प्रावधान

नई दिल्ली(ए.)। मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार धर्मांतरण के मामलों में दोषियों के लिए फांसी की सजा का प्रावधान करने जा रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने महिला दिवस के अवसर पर घोषणा की कि मासूम बेटियों के साथ दुराचार के दोषियों को फांसी की सजा के प्रावधान के बाद अब राज्य में धर्मांतरण के दोषियों को भी फांसी की सजा का प्रावधान किया जाएगा।डॉ यादव यहां अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित 'लाड़ली बहना राशि अंतरण कार्यक्रम' में भाग ले रहे थे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद विष्णुदत्त शर्मा भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि राज्य में मासूम बेटियों के साथ दुराचार पर दोषी को फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। जोर जबर्दस्ती से या बहला-फुसला कर बच्चियों के साथ दुराचार करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। अब राज्य सरकार द्वारा धर्मांतरण कराए जाने पर भी धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के माध्यम से फांसी की सजा का प्रावधान किया जा रहा है। दुराचरण और धर्मांतरण, दोनों के खिलाफ सरकार ने संकल्प लिया है कि समाज की इन कुरीतियों के खिलाफ सरकार कठोरता से पेश आएगी। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में सहभागिता कर सिंगल क्लिक के माध्यम से 1.27 करोड़ से अधिक लाड़ली बहना योजना हितग्राहियों के खातों में 1552.73 करोड़ रुपए की राशि जारी की। इसके अलावा 450 रुपए में गैस सिलेंडर रीफिल योजना की 26 लाख से अधिक पात्र हितग्राही बहनों को 55.95 करोड़ रुपए की अनुदान राशि जारी कर उन्हें महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं।

मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति, बहनों-बेटियों का आशीर्वाद मेरे साथ : पीएम मोदी

नवसारी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुजरात के नवसारी में लखपति दीदी से संवाद किया। इसके बाद उन्होंने एक रोड शो किया। उन्होंने जी-सफल और जी-मैत्री सहित विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ भी किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए खुद को दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा, मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद है। माताओं-बहनों का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है, मेरी पूंजी है। उन्होंने कहा, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में सबसे गर्व की बात यह है कि एक सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाली हमारी राष्ट्रपति ने इस बिल पर मुहर लगाई। वह दिन दूर नहीं जब आप में से कोई सांसद या विधायक बनेगा। गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है।

मणिपुर में फ्री ट्रैफिक मूवमेंट के पहले दिन कुकी समुदाय की सुरक्षाबलों से झड़प

सुरक्षाबलों ने आंसू गैस छोड़ी, हिंसा में 1 की मौत, 27 घायल

मणिपुर (ए)।मणिपुर में कुकी और मैतेई बहुल इलाकों में करीब 2 साल बाद फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होते ही हिंसा भडक उठी। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति को जोडने वाली सडकों पर शनिवार को जैसे ही बसें चलनी शुरू हुईं, कुकी समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में एक पुरुष प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि 27 अन्य घायल हैं। मृतक की पहचान लालगौथांग सिंगसिट (30 साल) के रूप में हुई है। लालगौथांग झड़प के दौरान गोली लगने से घायल हुआ था। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।कुकी समुदाय के लोग फ्री मूवमेंट का विरोध कर रहे थे और सडक को ब्लॉक कर दिया, जिसे सुरक्षाबलों ने खुलवाने की कोशिश की तो उन्होंने हिंसा शुरू कर दी। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों को बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई और पत्थरबाजी में सुरक्षाबलों के 27 जवान घायल हो गए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण का करेंगे हर संभव प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को समर्थ और सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि सशक्त नारी से ही प्रदेश और देश आज न केवल सशक्त बन रहा है, बल्कि समृद्ध भी हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं को अधिकार देने से समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं। भारत विश्व का एक मात्र ऐसा देश है जो अनादिकाल से मातृ शक्ति का सम्मान करता रहा है। सनातन संस्कृति में शक्ति, धन आदि को देवियों के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है। अगले

लोकसभा चुनाव के बाद संसद में महिलाओं को मिले 33 प्रतिशत आरक्षण की शक्ति परिलक्षित होगी और देश का संचालन महिलाओं के हाथों में होगा। नारी सशक्तिकरण के लिये सरकारी नौकरियों में आरक्षण 33 प्रतिशत से बढ़ाकर अब प्रदेश में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। महिलाओं को संपत्ति के रजिस्ट्रेशन में भी एक प्रतिशत की छूट दी गई है। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में सम्पत्तियों का पंजीयन महिलाओं के नाम पर हो रहा है। प्रदेश में 44 फीसदी स्टार्ट-अप महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार महिला उद्यमिता को भी प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में स्व-सहायता समूहों की संख्या 5 लाख से अधिक है। बहनों को उद्योग स्थापना के लिए बैंक लोन में अनुदान भी दिया जा रहा है।

भरतपुर : महिला दिवस पर शर्मनाक घटना, महिला को महिलाओं ने ही पीटा, वीडियो वायरल

भरतपुर (आरएनएस)। जिले में जहां एक ओर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर महिलाओं ने ही एक महिला को बेरहमी से पीटकर मानवता को शर्मसार कर दिया। घटना हलैना थाना क्षेत्र की है, जहां एक महिला को घर से घसीटकर सरेआम पीटा गया। इस दौरान वहां मौजूद पुरुष घटना का वीडियो बनाते रहे, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।हलैना थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित महिला की नाबालिग बेटी के साथ गांव के ही कुछ दबंगों ने छेड़खानी की थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन जब मुख्य आरोपी जेल से बाहर आया, तो उसने और उसके परिवार की महिलाओं ने मिलकर पीड़िता को घर से बाहर घसीटा और सरेआम पिटाई कर दी।

अगर गुजरात में हमारा 5% वोट और बढ़ जाए तो कांग्रेस की सरकार आ जाएगी : राहुल गांधी

गुजरात (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, मैं गुजरात के युवाओं, किसानों, छोटे व्यापारियों और अपनी बहनों के लिए आया हूं। मैंने खुद से पूछा कि मेरी और कांग्रेस पार्टी की क्या जिम्मेदारी है? तकरीबन पिछले 30 सालों से हम यहां सरकार में नहीं हैं... जब तक हम अपनी जिम्मेदारी को पूरा नहीं करेंगे, तब तक गुजरात की जनता हमें चुनाव में विजयी नहीं बनाएगी... जिस दिन हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी, उसी दिन गुजरात के सभी लोग कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन दे देंगे।

राहुल ने कहा गुजरात में विपक्ष के पास 40 प्रतिशत वोट है।आप कहीं भी प्रदेश में दो लोगों को खड़ा कर देंगे तो उसमें एक बीजेपी और दूसरा कांग्रेस का निकलेगा।अगर गुजरात में हमारा 5 प्रतिशत वोट और बढ़ जाए तो कांग्रेस की सरकार आ जाएगी।तेलंगाना में हमने 22 प्रतिशत वोट बढ़ाया है, यहां तो सिर्फ 5 प्रतिशत की जरूरत है। जब कांग्रेस पार्टी को अंग्रेजों का सामना करना पड़ रहा था। तब हम देश में हर जगह नेतृत्व ढूंढ रहे थे।कांग्रेस पार्टी हिंदुस्तान की जनता का प्रतिनिधित्व कर रही थी, लेकिन हमें नेतृत्व गुजरात से मिला, जिनका नाम महात्मा गांधी था।महात्मा गांधी जी के नेतृत्व ने हमें सोचने, लड़ने और जीने का तरीका दिया। गांधी जी के बिना कांग्रेस पार्टी देश को आजादी न दिलवा पाती। गांधी जी के साथ गुजरात ने हमें सरदार पटेल जी भी दिए। यानी हिंदुस्तान को गुजरात ने रास्ता दिखाया। कांग्रेस पार्टी में हमारे सबसे बड़े नेताओं में से 2 नेता गुजरात के थे।आज एक बार फिर से गुजरात रास्ता देखना चाह रहा है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा गुजरात की बैकबोन छोटे व्यापारी, स्माल-मीडियम साइज़ बिजनेस और Entrepreneurs हैं, लेकिन अब वह खत्म हो गए हैं।

रोड शो के दौरान रोते हुए लड़के को देख पीएम मोदी ने रुकवाई गाड़ी, फिर उन्होंने जो किया

सूरत (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन, सूरत में एक भावुक दृश्य देखने को मिला। प्रधानमंत्री शुक्रवार को सूरत में थे, जहाँ उन्होंने खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया और एक विशाल रोड शो में भाग लिया। इस रोड शो के दौरान, भीड़ में खड़े एक युवक ने अपनी भावना से सबका ध्यान खींचा।

यह युवक, जिसके हाथ में प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां हीरा बा के साथ उनकी एक तस्वीर थी, रोड शो के रास्ते में खड़ा था। जैसे ही प्रधानमंत्री का काफिला उसके करीब पहुंचा, वह भावविभोर हो गया और फूट-फूट कर रोने लगा।

प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि जब इस भाव-विह्वल युवक पर पड़ी, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तुरंत अपने काफिले को रुकवाया और युवक के हाथ में थमा चित्र अपने पास मंगवाया। प्रधानमंत्री ने उस तस्वीर को ध्यान से देखा और फिर उस पर प्रिय ओम अभिनंदन लिखकर अपने हस्ताक्षर किए।

भारत में इसी माह से दौड़ेगी हाइड्रोजन ट्रेन, पर्यावरण संरक्षण में मिलेगी बड़ी सफलता

नई दिल्ली(ए)। भारत जल्द ही हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली अपनी पहली ट्रेन को पटरियों पर उतारने के लिए तैयार है। यह ट्रेन डीजल और बिजली के बिना दौड़ेगी और पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी पर आधारित होगी। इस नई तकनीक के साथ रेलवे का कार्बन फुटप्रिंट भी कम होगा।

रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस ट्रेन का पूरा डिजाइन और तकनीक भारत में ही विकसित की गई है। इसे चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में तैयार किया जा रहा है और शुरुआत में इसे नॉर्दर्न रेलवे के दिल्ली डिवीजन में जींद-सोनीपत रूट पर चलाया जाएगा।सरकार लंबे समय से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही थी और अब यह सपना साकार होने के करीब है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह ट्रेन 31 मार्च तक संचालन में आ जाएगी। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जो ग्रीन मोबिलिटी को अपनाने में आगे हैं। जर्मनी, फ्रांस, चीन और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों में पहले से हाइड्रोजन ट्रेनों का संचालन हो रहा है।रेल मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 35 हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेनों के निर्माण के लिए 2,800 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया था।

हजारीबाग में एनटीपीसी के डीजीएम का मर्डर, ऑफिस जाते वक्त गोलियों से भूना; दहशत में लोग

हजारीबाग(आरएनएस)। झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत कटकमदाग थाना क्षेत्र में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के डिप्टी जनरल मैनेजर कुमार गौरव की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वह बिहार के नालंदा संसदीय क्षेत्र के सांसद रहे दिवंगत रामस्वरूप प्रसाद के भतीजे थे।

वारदात शनिवार सुबह करीब पौने दस बजे उस वक्त अंजाम दी गई, जब वह हजारीबाग स्थित अपने आवास से केरेडारी प्रखंड स्थित ऑफिस जा रहे थे। वारदात की जानकारी मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। एनटीपीसी की नॉर्थ कर्णपुरा परियोजना में कार्य करने वाले तमाम अफसरों और कर्मियों में इस वारदात को लेकर आक्रोश है।

कलेक्टर ने किया फूलों एवं फलों की खेती का निरीक्षण

किसानों को उद्यानिकी खेती के लिए प्रेरित करने के उद्यानिकी अधिकारियों को कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर,(निप्र)। कलेक्टर बालागुरु के ने सीहोर जिले के ग्राम बड़नगर, बिजलोन, कुलांसकला में किसानों द्वारा की जा रही फूलों-फलों की खेती, दुग्ध प्रसंस्करण इकाई तथा कच्ची घनी तेल प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों तथा अधिकारियों फूलों-फलों की खेती तथा प्रसंस्करण इकाईयों के बारे में विस्तार से जानकारी । उन्हों प्रसंस्करण इकाईयों की प्रक्रिया के बारे में इकाई संचालकों से तकनीकी एवं प्रबंधकीय जानकारी ली। कलेक्टर बालागुरू के. ने सर्वप्रथम ग्राम बड़नगर के किसान संजय शास्त्री द्वारा पाली हाउस एवं रोड नेट हाउस में की जा रही झरबेरा और गुलाब की खेती का अवलोकन किया और किसान श्री शास्त्री से इस खेती की लागत तथा लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ग्राम बिजलोन के किसान हेमराज कुशवाहा द्वारा मल्चिंग विप ड्रिप से की जा रही खरबूजा की खेती का भी अवलोकन किया। इसके पश्चात कलेक्टर बालागुरू के ने किसान गोरेलाल द्वारा संचालित की जा रही दुग्ध प्रसंस्करण इकाई का भी भ्रमण किया और किसान से इस इकाई के बारे में विस्तार से जानकारी ली।उन्होंने ग्राम कुलांस कला पहुंचकर किसान गजराज सिंह वर्मा द्वारा संचालित की जा रही कच्ची घानी तेल प्रसंस्करण इकाई का भी भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान के कलेक्टर बालागुरू के. ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के किसानों को उद्यानिकी की खेती के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी किसानों बताएं कि परंपरागत खेती की तुलना में व्यावसायिक कृषि को अपनाते हुए अधिक लाभ कमाया जा सकता है। भ्रमण के दौरान उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक राजकुमार सागर एवं संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

समग्र विकास के रोडमैप पर काम कर रही है सरकार, खेल और खिलाड़ी दोनों हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार-2025 में की सहभागिता

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समग्र विकास के रोडमैप पर हमारी सरकार काम कर रही है। खेलों का विकास हमारा महत्वपूर्ण लक्ष्य है। खेल और खिलाड़ी दोनों हमारी प्राथमिकता में है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हमारी सरकार सभी महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। महिलाओं के लिए समर्पित दिन है। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिभाएं, जिन्होंने राज्य को गौरवान्वित किया है, उन्हें सम्मानित करना सरकार के लिए हर्ष का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जहांनुमा पैलेस में एक निजी मीडिया समूह द्वारा आयोजित पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार-2025 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, बंसल ग्रुप के सीएमडी सुनील बंसल, गणमान्य नागरिक, खिलाड़ी और उनके पंख (स्पॉनसर्स) उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृष्ण जन्म के वृत्तांत का वर्णन कर बताया कि सामाजिक सरोकार के महत्व को समझाने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया। अपने विराट व्यक्तित्व से उन्होंने सामाजिक चेतना जागृत की। उन्होंने कहा कि समाज के व्यक्तियों द्वारा राज्य के उभरते खिलाड़ियों की मदद कर उन्हें खेल में सहयोग करना, हमारी सामाजिक जीवंतता का सहज प्रमाण है। इस प्रकार के विशेष आयोजन के लिए आयोजक बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनहित से जुड़े विभिन्न प्रभावकारी निर्णयों कोविड के समय वैक्सीन का त्वरित उत्पादन, कोविड महामारी रोकने के लिए लॉकडाउन की घोषणा करना, नोटबंदी की घोषणा करना, सर्जिकल स्ट्राइक आदि का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सभी राष्ट्रहित के निर्णय है। हम सभी के लिए यह निर्णय प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को सदैव राजधर्म का पालन करना पड़ता है। इसलिए कभी-कभी कठोर निर्णय भी लेने पड़ते हैं। विगत एक वर्ष में हमने जनहित में कई बड़े निर्णय लिए हैं। हम प्रदेश के विकास में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए हरसंभव मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में देश का विकास जनता की भागीदारी से ही संभव है। लोकतंत्र में करोड़ों लोग देश के विकास में सहभागिता करते हैं। मतदान करने वाला हर व्यक्ति देश के विकास का सहभागी है। हमारा प्रत्येक निर्णय जनभावना से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि हम सभी सामाजिक प्रेरणा से देश का विकास करने और समाज को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करते रहें। यही राष्ट्रधर्म है, यही नागरिक धर्म है।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के विकास को पंख देकर तेज गति से राज्य की प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं। जीआईएस भोपाल के सफल आयोजन में 30.77 लाख करोड़ का निवेश प्राप्त कर राज्य में इतिहास रचा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला दिवस पर सुरक्षा से लेकर वाहन चालक की जिम्मेदारी आज महिलाओं को सौंपी गई है। यह हमारी मातृ शक्तियों का सम्मान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि युवा खेल प्रतिभाएं देश का भविष्य हैं। युवाओं को समर्पण के साथ राष्ट्रभक्ति के भाव के साथ काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान (GYAN) मिशन में गरीब, अन्नदाता, नारी और युवा कल्याण को शामिल किया गया है। हमारे युवा राष्ट्रभक्ति की विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। आयोजकों द्वारा खेल प्रतिभाओं का सम्मान करना प्रशंसनीय है।

जन सामान्य को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने किया हारमनी हॉस्पिटल का शुभारंभ

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिस गति से लोग मधुमेह की समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं, उसे देखते हुए समाज में मधुमेह के प्रति जागरूकता फैलाने और उससे बचाव के उपाय जन-जन को बताया जाना आवश्यक है। बदलती जीवन शैली के कारण नि:संतानता की समस्या भी बढ़ रही है। परिवार और समाज के हित में इन दोनों विषयों पर ध्यान देना और जन सामान्य को स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नर्मदा पुरम रोड स्थित हर हेल्थ-हारमनी इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस इन रिप्रोडक्टिव हेल्थ हॉस्पिटल के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित तथा पूजा अर्चना कर अस्पताल का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भोपाल में मीडिया जगत की महिला प्रतिनिधियों से संवाद किया।

रेलवे में सुरक्षा, संचालन और नेतृत्व की जिम्मेदारी रही महिलाओं के कंधों पर

भोपाल रेल मंडल में पूर्ण रूप से महिला कर्मचारियों द्वारा ट्रेन का सफल संचालन

भोपाल (निप्र)। भारतीय रेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 को भव्यता, उत्साह और गौरव के साथ मनाते हुए महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को और सशक्त किया। रेलवे ने पूरे देश में विभिन्न प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें महिला कर्मचारियों की भूमिका, उनकी कड़ी मेहनत और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। महिला लोको पायलटों द्वारा ट्रेनों का संचालन हो या स्टेशन प्रबंधन, टिकट काउंटर, टिकट निरीक्षण,अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल, इंजीनियरिंग और रेलवे सुरक्षा बल की तैनाती- भारतीय रेल की नारी शक्ति ने हर क्षेत्र में अपनी दक्षता और नेतृत्व क्षमता को सिद्ध किया। इस अवसर पर कई ट्रेनों को ऑस वुमन स्टाफ द्वारा संचालित किया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सांई नगर शिरडी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन पूरी तरह से महिला कर्मचारियों ने किया। वहीं दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से ऑल वुमन फ्रेट ट्रेन चलाई गई। बेंगलुरु डिवीजन से केएसआर बेंगलुरु-मैसूरु मालगुडी एक्सप्रेस और मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस भी पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित की गईं। भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस और झांसी मंडल में बुंदेलखंड एक्सप्रेस का संचालन भी महिला कर्मियों ने किया। सियालदह स्टेशन पर मातृभूमि लोकल (लेडीज़ स्पेशल EM) ट्रेन का संचालन महिलाओं द्वारा किया गया। वहीं गोरखपुर जंक्शन का संपूर्ण प्रबंधन महिलाओं ने संभाला। महाराष्ट्र के माटूंगा और राजस्थान के गांधीनगर रेलवे स्टेशन की कमान भी नारी शक्ति के जिम्मे रही।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भोपाल रेल मंडल ने महिला कर्मचारियों को दिया सम्मान का उपहार

भोपाल (निप्र)। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भोपाल रेल मंडल में महिला कर्मचारियों के सम्मान एवं स्वागत के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भोपाल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य रेलवे में कार्यरत महिला कर्मचारियों के समर्पण और मेहनत को सम्मानित करना था। कार्यक्रम में भोपाल और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। ये महिलाएं टिकट बुकिंग, आरक्षण, पार्सल, सफाई सहित कई महत्वपूर्ण कार्यों में अपनी निष्ठा और दक्षता का परिचय दे रही हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने महिला कर्मचारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके समर्पण और सेवा भाव की सराहना की। श्री कटारिया ने कहा कि, रेलवे में कार्यरत महिलाएं न केवल अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही हैं, बल्कि अपने समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही हैं।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के साथ-साथ, मंडल वाणिज्य प्रबंधक पंकज कुमार दुबे, सहायक वाणिज्य प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार सिंह, सहायक वाणिज्य प्रबंधक नवल अग्रवाल एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक ग्रेसियस नज़रत भी उपस्थित रहे, जिन्होंने महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन को सफल बनाने में कई अधिकारियों और कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। इनमें प्रमुख रूप से टिकट परीक्षक सूर्य प्रकाश शर्मा, मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक श्रीमती बिंदु, वरिष्ठ सीसीटीसी श्रीमती मन्जू पटेल, वरिष्ठ सीसीटीसी श्रीमती मनीषा मालवीय, उप मुख्य टिकट निरीक्षक बी.के. श्रीवास्तव, उप मुख्य टिकट निरीक्षक राज त्रिवेदी, सीबीपीएस संजय श्रीवास्तव एवं डीसीटीआई सुनील वर्गीस का योगदान सराहनीय रहा।

महिला टिकट चेकिंग स्टाफ ने यात्रियों को फूल भेंट कर किया स्वागत

इस अवसर पर महिला टिकट चेकिंग स्टाफ ने भी रेलवे के इस पहल को और खास बना दिया। उन्होंने स्टेशन पर उपस्थित महिला यात्रियों को फूल भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मधुर gesture ने यात्रियों को खासा प्रभावित किया, जिससे रेलवे की इस सराहनीय पहल की हर तरफ प्रशंसा हुई।

चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भोपाल मंडल रेल चिकित्सालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा ने महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनके समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। इस अवसर पर महिला चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया एवं उन्हें उपहार भेंट कर उनकी सेवाओं को नमन किया गया। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (प्रशासन) डॉ. रचना श्रीवास्तव, अन्य चिकित्सा अधिकारीगण एवं सहायक नर्सिंग अधिकारी श्रीमती ललिता लाल उपस्थित रहीं। भोपाल रेल मंडल द्वारा महिला कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र में विशेष स्थान देते हुए, उनके सम्मान एवं उत्साहवर्धन हेतु इन आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। रेलवे द्वारा किया गया यह प्रयास महिलाओं के प्रति सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक है।

सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं के आर्थिक उन्नति के द्वार खोले : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मोदी सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं के आर्थिक उन्नति के द्वार खोल दिए। प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार मातृशक्ति को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने यह बात प्रभार के जिले गुना के कलेक्ट्रेट सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में कही। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि आज महिलाएं घर आंगन से निकलकर चांद पर जा रही हैं। आज हर क्षेत्र में महिलाएं सक्रिय हैं। बदलते समय के अनुसार महिलाओं की शक्ति पूरे विश्व में बढ़ रही है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के हित में चलाई जा रही फ्लैगशिप योजनाओं का जिक्र करते हुए श्री राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिये कल्याणकारी योजनाओं के संचालन के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उनके लिए आरक्षण सुनिश्चित कर उन्हें महत्वपूर्ण पदों तक पहुंचाया है।

खाद्य मंत्री बोले, घर की चहर दिवारी से निकलकर चांद पर पहुंची महिलाएं

सम्मान के कारण ही बहनों ने आशीर्वाद दिया

खाद्य मंत्री मंत्री श्री राजपूत ने लाड़ली बहना योजना का जिक्र करते हुए कहा कि लाडली लक्ष्मी योजना और मुख्यमंत्री कन्यादान योजनाओं ने माताओं और बहनों के सरकार के प्रति बढ़ते विश्वास के कारण ही प्रदेश में बहनों का ढेर आशीर्वाद मिला। आज हर जगह बहने कंधा से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। श्री राजपूत ने कहा कि हर्ष की बात यह है कि हमारी माताओं और बहनों को जो भी जिम्मेदारी किसी भी क्षेत्र में मिली है, उसे उन्होंने बड़ी ही जिम्मेदारी से निभाया है।

खाद्य मंत्री ने लिखा संदेश

कार्यक्रम में खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री राजपूत में महिलाओं और बच्चों के लिए जहां बेटी बचाओं और बेटी पढ़ाओ को लेकर संदेश लिखा और सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी खिंचवाई। कार्यक्रम में विधायक प्रियंका मीना, विधायक पन्नालाल शाक्य, कलेक्टर किशोर कन्याल, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वच्छ, हरे-भरे, प्रदूषण और नशा मुक्त ग्वालियर के लिए ऊर्जा मंत्री की पहल पर हुआ संगीतमय सुन्दरकाण्ड

भोपाल (ए.)। स्वच्छ, हरा-भरा, प्रदूषण और नशा मुक्त ग्वालियर बनाने की दिशा में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को जेसी मिल स्कूल के समीप स्पोर्टस काम्प्लेक्स में संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ किया गया। इस दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति का अभिनन्दन भी किया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ग्वालियर को स्वच्छ, हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त और नशा मुक्त बनाने की दिशा में

ग्वालियरवासियों के साथ मिलकर अभियान चला रहे हैं। इसी अभियान के तहत बीती जनवरी माह से प्रतिदिन शाम 7 बजे श्री सीताराम धुन का वाचन शुरु किया गया है। इस सीताराम धुन को शनिवार 8 मार्च को दो माह पूर्ण हो चुके हैं। इसी उपलक्ष्य में श्री सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन बिरला नगर जेसी मिल स्कूल परिसर स्थित स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सुन्दरकाण्डपाठ का मधुर श्रवण किया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सुन्दरकाण्डपाठ में शामिल समस्त श्रद्धालुओं को प्रसादी के साथ एक-एक सुन्दरकाण्डपुस्तिका, प्रयागराज की मोक्षदायिनी मां गंगा का जल, कैलेण्डर और डस्टबिन प्रदान किया।

भारत के शिक्षा के मंदिर, चरित्र निर्माण के कारखाने हैं : उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

भोपाल (ए.)। भारत की शिक्षा विश्व मंच पर सर्वश्रेष्ठ शिक्षा थी, इसलिए भारत विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। विश्व भर के लोग, भारत में शिक्षा ग्रहण एवं अध्ययन करने आते थे। हमारे पूर्वज शिक्षित और ज्ञानवान थे लेकिन अतीत के कालखंडों में विदेशी इतिहासकारों द्वारा भारतीय इतिहास का गलत चित्रण किया गया। इस ऐतिहासिक छल से मुक्त होने के लिए स्वत्व के भाव की जागृति के साथ, भारतीय ज्ञान परम्परा का अध्ययन करने की आवश्यकता है। भारतीय ज्ञान, परम्परा एवं मान्यता के रूप में भारतीय समाज में सर्वत्र विद्यमान है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर, भारतीय समाज में परंपराएं एवं मान्यताएं स्थापित हुई हैं। भारतीय समाज, विशुद्ध रूप से वैज्ञानिक दृष्टिकोणधारक समाज है।

पशुओं की वैकल्पिक पशु चिकित्सा पद्धति पर कार्य शाला 11 एवं 12 मार्च को

भोपाल (ए.)। पशुओं की वैकल्पिक पशु चिकित्सा पद्धति पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल पलाश रेसीडेंसी में 11 एवं 12 मार्च को पूर्वाह्न 10 बजे से होगा। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग एवं मध्य प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद के समन्वय से आयोजित इस कार्यशाला में दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के विषय विशेषज्ञ अभय महाजन, प्रमुख सचिव, पशुपालन एवं डेयरी उमाकांत उमराव, अध्यक्ष, वेटरनरी काउंसिल ऑफ इंडिया उमेश चंद्र शर्मा शामिल होंगे।

कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदेश के पशु चिकित्सकों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसमें लगभग 110 प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं। कार्यशाला में वैकल्पिक पद्धति से पशुओं की चिकित्सा किए जाने संबंधी एक पॉलिसी बनाने का भी कार्य किया जाना है। इससे शासन द्वारा वैकल्पिक पशु चिकित्सा पद्धति को पशुओं की चिकित्सा के लिए प्रदेश में लागू किया जा सके । देश में आदिकाल से पारंपरिक एवं वैकल्पिक पशु चिकित्सा पद्धति का उपयोग किया जाता था। इसे पुनः पशुओं की चिकित्सा में बढ़ावा देने एवं जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह कार्य शाला आयोजित की जा रही है। वर्तमान में आधुनिक चिकित्सा पद्धति के कारण मनुष्यों एवं पशुओं में जीवाणु रोधी दवाइयाँ के प्रति प्रतिरोधकता का बढ़ना महामारी का रूप ले रहा है, जो एक भयानक वैश्विक खतरा बनता जा रहा है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति से एवं एंटीबायोटिक के दुरुपयोग से इसका दुष्प्रभाव मनुष्य एवं पशुओं में देखा जा रहा है। इसके कारण एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस की वैश्विक समस्या उत्पन्न हो गई है। इससे निपटने के लिये अल्टरनेट वेटरनरी प्रैक्टिस जैसे आयुर्वेद, होम्योपैथी, पारंपरिक चिकित्सा, यूनानी चिकित्सा इत्यादि का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है, जिससे कम खर्च पर आसानी से पशुओं की बिना किसी दुष्प्रभाव के चिकित्सा की जा सकती है।

राज्य सरकार की योजनाओं से हो रहा है नारी सशक्तिकरण : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृ शक्ति ने भगवान पशुपतिनाथ की आरती कर पूजा-अर्चना की उप मुख्यमंत्री ने दी मातृ शक्ति को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं

भोपाल (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मंदसौर (दशपुर) की धरा पर स्थापित भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर में महिला शक्ति ने सुबह की आरती के साथ समस्त व्यवस्थाएं संभाली। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शनिवार को मातृ शक्ति के साथ भगवान पशुपतिनाथ की आरती कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मातृ शक्ति को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए भगवान पशुपतिनाथ से प्रदेशवासियों के लिए सुख शांति समृद्धि की कामना की। शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मंदिर की प्रात: कालीन आरती के साथ ही दिन की आरती, पूजन और सभी आयोजन एवं मंदिर की व्यवस्थाएं महिलाओं के द्वारा संचालित की गई।

महिला दिवस पर मंदिर की आरती सहित प्रांगण की समस्त व्यवस्थाएं महिलाओं ने संभाली

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कहा कि भारत में सदैव मातृ शक्ति का सम्मान होता रहा है। आदि शक्ति के रूप में पूजे जाने के साथ ही प्रत्येक सनातन परिवार में शुभ कार्य के पूर्व कन्या-पूजन की परंपरा चली आ रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार दोनों इस परंपरा का पालन करती रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास के लिये 4 आधार स्तंभ ज्ञान (जीवायएएन) गरीब, युवा, किसान और नारी सशक्तिकरण को प्रमुखता से शामिल किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पुण्य-श्लोका राजमाता अहिल्या देवी की कार्य स्थली महेश्वर में कैबिनेट की बैठक आयोजित कर उनके नाम पर नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर राज्य सरकार ने महिलाओं के लिये सरकारी भर्तियों में आरक्षण 33 से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया है। हम महिला सशक्तिकरण के लिये लाड़ली बहना जैसे अनेक योजनाएं संचालित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में नारी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

पूजा-अर्चना के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल और बड़ी संख्या में महिला शक्तियां सहित अन्य जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

शक्ति वॉकथॉन में महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का दिया गया संदेश

भोपाल (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा महिला स्वास्थ्य जागरूकता रैली शक्ति वॉकथॉन का आयोजन किया गया। अटल पथ भोपाल से प्रारंभ हुई शक्ति वॉकथॉन में 2000 से अधिक महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के संदेश को सशक्त बनाया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य तरूण राठी, मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, वरिष्ठ संयुक्त संचालक एवं स्टेट नोडल अधिकारी (प्रिवेंटिव गायनोकॉलोजी, ऑन्कोलॉजी एवं इनफर्टिलिटी) एवं संचालक राज्य आईईसी ब्यूरो डॉ. रचना दुबे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लड़की ने बात करना बंद किया तो चौथी मंजिल से कूदा छात्र, मौके पर मौत, कुछ दिन से तनाव में था

जबलपुर (ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में लड़की के बात बंद करने के कारण कॉलेज छात्र ने चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। छात्र पिछले कुछ दिनों से डिप्रेशन में था, बीती रात उसने घर से करीब आठ किलोमीटर दूर जाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खंडहर बिल्डिंग से कूदकर दी जान

सीएसपी एचआर पांडे ने बताया कि ग्वारीघाट थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक युवक ने खंडहर बिल्डिंग की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। ऊंचाई से गिरने के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। युवक की शिनाख्त हनुमानताल निवासी देवेंद्र उपाध्याय के रूप में हुई, जो कॉलेज का छात्र था। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युवती से बातचीत बंद होने से था परेशान

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि युवक के घर में किराये पर रहने वाले एक परिवार की लड़की से उसकी मित्रता थी। कुछ समय पहले लड़की के परिवार ने वह घर छोड़ दिया था। इसके बाद लड़की ने युवक से बातचीत करना बंद कर दी थी। ऐसे में

युवक ने लड़की के साथ ली गई फोटो उसके पिता के मोबाइल पर भेज दी थी। इसके बाद लड़की के पिता ने युवक के दादा से इस संबंध में शिकायत करते हुए पुलिस में केस दर्ज कराने की धमकी दी थी।

दोस्त से किया था जिक्र

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि युवक ने आत्महत्या करने से पहले सुबह अपने एक दोस्त को बताया था कि लड़की ने उससे बात करना बंद कर दिया है। ऐसे में युवक की आत्महत्या कारण इसी बात को माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंदौर में हनी सिंह के शो को अनुमति, आयोजकों ने जमा कराया मनोरंजन कर

इंदौर (ए.)। इंदौर में पॉप सिंगर हनी सिंह के शो पर विवाद गहरा गया था, लेकिन आयोजकों ने नगर निगम को मनोरंजन कर जमा करा दिया है। शो को लेकर प्रशासन की तरफ से अनुमति भी मिल गई है।

शो के लिए नगर निगम के खजाने में 7 लाख 85 हजार रुपये जमा कराए गए है। इस शो के लिए ट्रैफिक विभाग ने ट्रैफिक प्लान भी जारी कर दिया है। शाम के समय एमआर-10 जंक्शन की तरफ बड़े वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई है। इस शो को लेकर पहले आयोजकों ने पैसा जमा नहीं कराया था, लेकिन इंदौर नगर निगम परिषद के सदस्य निरंजन सिंह चौहान ने मेयर पुष्य मित्र भार्गव को पत्र लिखकर कहा था कि शो को लेकर पहले ही टैक्स ले लिया जाए। उसके बगैर अनुमति न मिले। पत्र में लिखा गया था कि शो में जितनी टिकट बिक्री होती है।

रिश्वत के खिलाफ सरकार का बड़ा कदम, अब शिकायतकर्ताओं को तुरंत मिलेगी उनकी रकम

इंदौर (ए.)। मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक नया कदम उठाते हुए मोहन सरकार ने आगामी वित्त वर्ष, यानी अप्रैल से एक नई पहल शुरू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत, लोकायुक्त और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) जैसी जांच एजेंसियों को 40 लाख रुपए का विशेष फंड प्रदान किया जाएगा। इस फंड का उपयोग उन मामलों में किया जाएगा, जहां सरकारी कर्मचारी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े जाते हैं। इसके तहत शिकायतकर्ता को अभियोजन की प्रक्रिया शुरू होते ही उसकी रिश्वत के रूप में दी गई राशि लौटा दी जाएगी। अभी तक, शिकायतकर्ताओं को वर्षों तक अपनी राशि के लिए

इंतजार करना पड़ता था, और फिलहाल लगभग 3 करोड़ रुपए फंसे हुए हैं।

लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू द्वारा अक्सर रिश्वतखोर सरकारी कर्मचारियों को पकड़ा जाता है, लेकिन इन मामलों में शिकायतकर्ता को पहले अपनी जेब से रिश्वत की पूरी रकम देनी पड़ती है। यह राशि जब्त कर ली जाती है और अदालत में मामला लंबित रहने तक फंसी रहती है। इसमें 5000 रुपए से लेकर 5 लाख रुपए या उससे अधिक की राशि शामिल हो सकती है।

इस कारण, कई लोग डर के कारण शिकायत करने से बचते हैं। मगर अब सरकार 40 लाख रुपए का एक विशेष फंड बनाएगी, जिससे शिकायतकर्ता को उसकी राशि अभियोजन की प्रक्रिया शुरू होते ही लौटा दी जाएगी। इसके बदले, सरकार इस फंड से उतनी ही राशि उपयोग में ले लेगी।

पहले ट्रेन में सीट दी...फिर रात होते ही करने लगा अश्लील हरकत, लोगों ने कोच अटेंडेंट को पीटा

उज्जैन (ए.)। ट्रेन में सेट सीट दिलाने के नाम पर एक महिला से छेड़छाड़ का मामला थाना जीआरपी के पास पहुंचा है। मामले में महिला द्वारा की गई शिकायत के बावजूद भी पुलिस प्रकरण दर्ज नहीं करना चाहती थी। यही कारण था कि बजरंग दल के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। पूरा मामला कुछ इस प्रकार है कि अपने पति और बच्ची के साथ उज्जैन के लिए यात्रा करने वाली रांची निवासी 30 वर्षीय महिला धनबाद रेलवे स्टेशन से हावड़ा-शिप्रा एक्सप्रेस के थर्ड एसी कोच में पहुंची थी। उनके पास कंफर्म टिकट नहीं था। यही कारण था कि यह लोग टायलेट के पास बैठकर यात्रा करने लगे।

महिला दिवस पर मातृ शक्तियों ने संभाली पशुपतिनाथ मंदिर की व्यवस्था, डिप्टी सीएम देवड़ा ने किए दर्शन

मंदसौर(ए.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दशपुर की धरा पर भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर में मातृ शक्तियों ने कमान संभाली। भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करने पहुंचे उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से मातृ शक्तियों ने ही पूजा करवाई। पशुपतिनाथ मंदिर की व्यवस्था शनिवार को दिनभर महिलाओं द्वारा ही संचालित की जाएगी। शासन द्वारा महिला दिवस पर आयोजित इस नवाचार की हर ओर सराहना की जा रही है।

बिजली कर्मचारियों की लाठी-डंडों से पिटाई, JE सहित कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

शिवपुरी (ए.)। शिवपुरी जिले के मास्टर कॉलोनी में शनिवार को बिजली विभाग के कर्मचारियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बिजली बिल की बकाया वसूली के लिए गई टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। घटना में महिला जूनियर इंजीनियर समेत कई कर्मचारी मौजूद थे। गुस्साई भीड़ ने कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। उनके कपड़े फाड़ दिए और मोबाइल फोन छीन लिए। विभाग की गाड़ियों पर भी पथराव किया गया।

जेई कैलाश अहिरवार ने बताया कि बिजली विभाग की टीम लोक अदालत में धारा-135 के अंतर्गत बनाए गए प्रकरणों में बकाया राशि पर छूट देने का प्रचार-प्रसार करने फतेहपुर क्षेत्र स्थित बाली मास्टर कॉलोनी पहुंची थी। इस दौरान टीम को वहां अवैध रूप से बिजली उपयोग करने के मामले मिले, जिस पर कार्रवाई करते हुए ट्रांसफार्मर से अवैध रूप से जुड़े तार हटा दिए। इस पर कॉलोनी के कुछ लोगों रूपेश बेड़िया, जैकी बेड़िया, सुरेंद्र बेड़िया, सुजीत बेड़िया, मौनू भार्गव और हरिओम शर्मा ने विरोध किया और विवाद करने लगे। बिजली विभाग के कर्मचारियों के अनुसार, जब उन्होंने समझाने की कोशिश की कि केवल अवैध रूप से बिजली उपयोग कर रहे उपभोक्ताओं के कनेक्शन हटाए जा रहे हैं तो उक्त लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी।

वक्फ बोर्ड की 500 से ज्यादा संपत्तियों की जांच शुरू, बड़ा खुलासा संभव

इंदौर (ए.)। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को लेकर सरकार सतर्क हो गई है और केंद्र सरकार ने इस पर पैनी नजर बनाई हुई है। तेजी से हो रहे अतिक्रमण, कब्रिस्तान, मस्जिद और अन्य जमीनों से जुड़े घोटालों की जांच के लिए देशभर में अधिकारियों की नियुक्ति कर उन्हें भेजा जा रहा है। मध्यप्रदेश के तीन जिलों—भोपाल, इंदौर और देवास—की 108 संपत्तियों की औचक जांच की जा रही है।

वक्फ संपत्तियों की पुष्टि के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली का तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मध्यप्रदेश के दौरे पर आया है। इस निरीक्षण में भोपाल की 37, इंदौर की 35 और देवास की 36 संपत्तियों को शामिल किया गया है।

शराब के नशे में रिश्ते के नाती ने की बुआ दादी की हत्या, 500 मांगने पर दे रही थी 200 रुपये

जबलपुर (ए.)। जबलपुर जिले में शराब के नशे में पहुंचे युवक ने अकेले रहने वाली बुआ दादी के घर पहुंचकर पांच सौ रुपये मांगे। बुआ दादी रिश्ते के नाती को दो सौ रुपये दे रही थी, जिससे नाराज होकर युवक ने गला दबाकर बुजुर्ग की हत्या कर दी।

हत्या करने के बाद उसका गला हंसिए से काट दिया। पुलिस ने अंधी हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी नाती को गिरफ्तार कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिहोरा थानान्तर्गत ग्राम पौड़ी निवासी बुट्टन बाई कोल उम्र 57 वर्ष घर में अकेले रहती थी। महिला के पति की मौत हो गई थी तथा बेटा ईंट-भट्टे में रहकर काम करता था। महिला का गला धारदार हथियार से काटकर उसकी हत्या की गई।

150 क्रिश्चियन परिवार को मिली राहत, हाईकोर्ट ने कहा- हटाने के लिए न की जाए बलपूर्वक कार्रवाई

जबलपुर (ए.)। डेढ़ सौ क्रिश्चियन परिवार को हाईकोर्ट से राहत मिली है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कहा, इन्हें हटाने के लिए बलपूर्वक कार्रवाई न की जाए। जमीन से बेदखल किए जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए नजूल की जमीन पर बने आवासीय संपत्तियों पर बलपूर्वक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। युगलपीठ ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता असीम जोसेफ सहित तीन अन्य की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि साल 1975 में राज्य सरकार ने क्रिश्चियन समाज की समिति लूथरन चर्च को 22 लाख 3515 वर्ग फीट जमीन लीज पर दी थी, जिसमें चर्च, स्कूल, हॉस्टल और मकान बने हुए हैं। चर्च के बिशप समिति के अध्यक्ष होते हैं और उनके द्वारा लीज की जमीन में नियम विरुद्ध तरीके से निर्माण कराया गया है।

व्यापार समाचार

अल्ट्रावायलेट का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरेक्ट लॉन्च

नई दिल्ली (ए.)। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी अल्ट्रावायलेट का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरेक्ट लॉन्च हो गया। हाई-परफॉर्मेंस और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन के साथ यह स्कूटर भारतीय बाजार में मौजूद इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को कड़ी टक्कर देने वाला है।

इस स्कूटर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पहले 10,000 ग्राहकों के लिए 1.2 लाख रुपये रखी गई है। टेसरेक्ट का डिजाइन एविएशन से प्रेरित है और इसमें कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों जैसा अग्रेसिव और शार्प लुक दिया गया है। इसका फ्रंट एप्रन, फ्लोटिंग डीआरएल, डुअल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और एंगुलर बॉडी इसे अलग पहचान देते हैं। यह स्कूटर तीन कलर ऑप्शंस - डेजर्ट, स्टेल्थ ब्लैक और सोनिक पिंक में उपलब्ध होगा। टेसरेक्ट को कई हाई-टेक फीचर्स से लैस किया गया है। इसमें 7-इंच का टीएफटी टचस्क्रीन डिस्प्ले, ऑनबोर्ड नेविगेशन, 34-लीटर अंडरसीट स्टोरेज, टोइंग अलर्ट और 14-इंच के व्हील्स दिए गए हैं। सेफ्टी के लिए यह ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग, कोलिजन अवॉइडेंस, ओवरटेक अलर्ट, लेन चेंज असिस्ट, रियर कोलिजन अलर्ट, इंटीग्रेटेड डैशकैम और हैंडलबार पर हैप्टिक फीडबैक जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस है। टेसरेक्ट एक बार चार्ज करने पर 261 किमी की आईडीसी रेंज प्रदान करता है।

कंपनी ने इसके साथ अपने सुपरनोवा चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार और यूरोपीय बाजार में प्रवेश की योजना भी बनाई है। यह स्कूटर डिजाइन, फीचर्स और परफॉर्मेंस के मामले में भारतीय ग्राहकों के लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकता है।

पांच माह बाद खुदरा महंगाई दर 4% से कम रहने के आसार, फरवरी में खाद्य महंगाई दर में गिरावट की उम्मीद

नई दिल्ली (ए.)। लगातार आरबीआई के दायरे से ऊपर बनी रहने वाली खुदरा महंगाई दर पांच महीने में पहली बार चार फीसदी से नीचे आ सकती है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, फरवरी 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) गिरकर 3.81 प्रतिशत पर आने की संभावना है। जनवरी में यह 4.31 और पिछले साल अगस्त में 3.65 फीसदी पर रही थी।

सीएमआईई के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में अब तक औसत खुदरा महंगाई 4.87 प्रतिशत रही है। इस बार खाद्य कीमतों में गिरावट का कारण कीमतों में प्रभावी रूप से कमी आना है। सब्जियों की कीमतों में सर्दियों में सुधार और दालों की कीमतों में लगातार नरमी से मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने में मदद मिली है। लेकिन, सोने की कीमतों में मजबूती के कारण मुख्य महंगाई में बढ़ोतरी का अनुमान है। फरवरी 2025 में खाद्य मुद्रास्फीति जनवरी के छह प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत पर आने की संभावना है। यह मई, 2023 के बाद से सबसे कम होगी। मुद्रास्फीति की चिंता बढ़ाने वाली सब्जियों की कीमतें तेजी से गिरी हैं। इससे खाद्य मुद्रास्फीति को बहुत राहत मिली है। अनुमान है कि फरवरी में सब्जियों की महंगाई दर घटकर 1.4 प्रतिशत रह गई है, जो जनवरी के 11.4 प्रतिशत से काफी कम है। अप्रैल, 2024 से जनवरी, 2025 के बीच सब्जियों की औसत महंगाई दर 24 प्रतिशत तक रही।

मासिक आधार पर सब्जियां 9% सस्ती

आंकड़ों में कहा गया है कि सब्जियों की कीमतें मासिक आधार पर नौ प्रतिशत घट सकती है, जो लगातार चौथे महीने कीमतों में गिरावट का संकेत है। फरवरी में टमाटर की औसत कीमत 23 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इसके दाम में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आने की संभावना है। फरवरी में प्याज और आलू की कीमतें क्रमश: 36 रुपये प्रति किलोग्राम और 26 रुपये प्रति किलोग्राम थीं। हालांकि ये कीमतें अभी भी एक साल पहले के स्तर से ऊपर हैं।

लहसुन, अदरक की कीमतें भी गिरीं

लहसुन, अदरक, गोभी, फूलगोभी, बैंगन और भिंडी जैसी अन्य सब्जियों की कीमतों में भी कमी आई है। दालों ने भी खाद्य मुद्रास्फीति को कम करने में मदद की। फरवरी में अरहर में 7.2% की मासिक गिरावट देखी गई। अनाज और उत्पादों में मुद्रास्फीति फरवरी में घटकर 5.9% रही। जनवरी में 6.2% थी।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

- सेंसेक्स 7.51 अंकों की गिरावट के साथ 74,332.58 पर बंद, निफ्टी 7.80 मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 स्तर पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी तो कभी गिरावट पर कारोबार होता रहा। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो शेयर बाजार हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को हरे निशान पर खुला। हालांकि, जल्द ही बाजार लाल निशान पर भी आ गया। बीते हफ्ते गिरावट के सुनामी में फंसे निवेशकों के लिए दिन की शुरुआत तो अच्छी हुई, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 429.31 अंक चढ़कर 73,627.41 अंक पर खुला और 112.16 अंक की गिरावट के साथ 73,085.94 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 130 अंक बढ़कर 22,254.70 अंक पर खुला और 5.40 अंक की मामूली गिरावट के साथ 22,119.30 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 347.07 अंक गिरकर 72,738.87 पर खुला और 96.01 अंक गिरकर 72,989.93 अंक पर बंद हुआ।

दिल्ली अयोध्या एक्सप्रेस में बम की सूचना, तलाशी के बाद की गई रवाना

बाराबंकी(ए.)। इस ट्रेन को लखनऊ चारबाग स्टेशन पर बम से उड़ा दिया जाएगा। मिनी आरडीएक्स रखा है। संदेश को फेक न समझें। 7 मार्च दोस्त मैं मजबूर हूं, पुलिस को बता दो, हजारों जाने जा सकती हैं। अब्दुल्ला अंसारी मुरादाबाद, बम डबल बैग में रखा है। ये डरावनी पंक्तियां दिल्ली अयोध्या एक्सप्रेस के कोच एस 8 के टॉयलेट में लिखी हुई देखी गई थीं। इसके बाद हड़कंप मचा और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना की तलाशी के दौरान सभी डिब्बों को चेक किया गया। इस दौरान एस 5 में डबल बैग रखा मिला और उस पर तकिया भी रखा था। पर उसके साथ कोई था नहीं। इस पर पुलिस ने फिर से कवायद शुरू की और उसके आसपास सीट पर बैठे लोगों को तलाशा। एक यात्री ने बताया कि इस बैग पर सिर रखकर एक व्यक्ति सो रहा था। वह नीचे उतर गया है। इस पर उसकी तलाश की गई, तो वह व्यक्ति भी मिल गया। ट्रेन में यात्रा कर रहे गोंडा के निवासी पंकज तिवारी ने बताया कि वह लोग परिवार सहित अयोध्या कैंट से दिल्ली के लिए बैठे थे। नींद भी आने लगी थी कि बाराबंकी में पुलिस के अलाउंसमेंट के बाद वह लोग आनन फानन में नीचे उतरे। पंकज ने कहा कि बम की सूचना से भय लगने लगा है। स 5 में यात्रा कर रहे अयोध्या के गोसाईगंज निवासी अब्दुल गफ्फार ने बताया कि ट्रेन में बम रखें होने की सूचना है। इससे वह काफी डरे हैं। करीब 9 बजे सेना व स्थानीय पुलिस ने कहा कि ट्रेन में बम नहीं है, ट्रेन को आगे बढ़ाया जाए, इस पर जीआरपी व आरपीएफ ने लिखित रूप से एनओसी मांगने लगे। विवाद के बीच सहायक स्टेशन अधीक्षक ने सहायक मंडल परिचालन प्रबंधक धीरेंद्र गौड़ को फोन से संपर्क किया। गौड़ की ओर से ज्वाइंट एनओसी लिखने के बाद ट्रेन को रवाना करने की बात कही गई है। इस पर ट्रेन को लिखापढ़ी के बाद 9 बजकर 16 मिनट पर रवाना कर दिया गया।

ऑनलाइन गेमिंग सट्टे का खात्मा करने गूगल और मेटा जैसी कंपनियों का लेना होगा साथ

नई दिल्ली(ए.)। रिसर्च इंस्टीट्यूशन 'डिजिटल इंडिया फाउंडेशन' ने एक रिपोर्ट में कहा कि गैरकानूनी ऑपरेटर डिजिटल विज्ञापन और मार्केटिंग चैनलों, भुगतान पारिस्थितिकी और सॉफ्टवेयर प्रदाताओं के बेहद परिष्कृत नेटवर्क के जरिये अपना संचालन बरकरार रखने में सफल रहते हैं। भारत में तेजी से बढ़ते अवैध ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर के खात्मे के लिए जरूरी है कि सरकार गूगल और मेटा जैसी बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ मिलकर प्रयास करे। रिपोर्ट कहती है, इस गैरकानूनी क्षेत्र का सालाना आकार 100 अरब डॉलर से अधिक है और यह प्रति वर्ष 30 प्रतिशत की दर से तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा डिजिटल माध्यम को तेजी से अपनाने, प्रौद्योगिकी प्रगति और नियामकीय अनिश्चितता बढ़ने के कारण है।

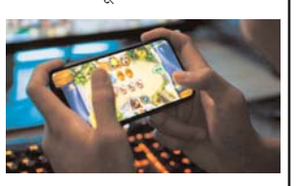

महिला उद्यमियों को बिना गारंटी मिलेगा ऋण, विशेष बचत खाता और अन्य सुविधाओं का भी किया गया एलान

नई दिल्ली (ए.)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की है। भारतीय स्टेट बैंक ने महिला उद्यमियों के लिए कम ब्याज दर के साथ बिना गारंटी वाले ऋण की पेशकश की है। एसबीआई ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'अस्मिता' नाम से एक नया उत्पाद पेश किया। इसका मकसद महिलाओं को कम ब्याज दर वाले वित्तपोषण विकल्प देना है।

एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि नई पेशकश से महिलाओं के नेतृत्व वाली सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाइयों को जल्दी और आसानी से कर्ज मिलेगा। बैंक के प्रबंध निदेशक विनय टोंस ने नई पेशकश को तकनीकी नवाचार और सामाजिक समानता का प्रतीक बताया। एसबीआई ने रूपे द्वारा संचालित 'नारी शक्ति' प्लैटिनम डेबिट कार्ड भी पेश किया, जिसे विशेष रूप से महिलाओं के लिए तैयार किया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा खोलेगा विशेष बचत खाता

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 'ऑटो स्वीप' सुविधा से लैस 'बॉब ग्लोबल वूमेन

एनआरई और एनआरओ बचत खाता' शुरू करने की घोषणा की है। इससे ग्राहकों को उच्च ब्याज प्राप्त करने के साथ सस्ती दर पर आवास ऋण और वाहन ऋण प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी।

बीओबी महिला खाताधारकों के लिए ऐसा खाता लेकर आने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक है। इस खाते में कर्ज पर प्रसंस्करण शुल्क भी कम लगेगा। बैंक ने अपने प्रमुख एनआरआई पेशकशों में से एक बॉब प्रीमियम एनआरई (प्रवासी बाह्य खाता) और एनआरओ (प्रवासी साधारण खाता) बचत खाते में सुधार किया है, जिससे ग्राहकों को अधिक फायदेमंद बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए इसकी सुविधाओं और लाभों को बढ़ाया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की कार्यकारी निदेशक बीना वहीद ने कहा, 'बॉब ग्लोबल वूमेन एनआरई और एनआरओ बचत खाता आज की वैश्विक भारतीय महिलाओं की बदलती गतिशीलता को पहचानता है। इसे महिलाओं को प्रीमियम बैंकिंग विशेषाधिकार और सोच-समझकर तैयार की गई सुविधाएं प्रदान करके सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

'बैंक ने कहा कि संशोधित बॉब प्रीमियम एनआरई और एनआरओ बचत खाता कई सुविधाओं के साथ आता है, जिसमें बढ़ी हुई लेनदेन सीमा के साथ एक अनुकूलित डेबिट कार्ड, मानार्थ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लाउंज का उपयोग, नि:शुल्क सुरक्षित जमा लॉकर और नि:शुल्क व्यक्तिगत और हवाई दुर्घटना बीमा कवरेज शामिल है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद

कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। इन सबके सबक क्या हैं?

प्रादेशिक स्वायतत्ता की उपेक्षा संबंधी दक्षिणी राज्यों की कई शिकायतों में दम है, मगर जिस तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे जुड़े सवालों को लेकर माहौल गरमा रहे हैं, उससे उनके इरादे पर शक होना लाजिमी है।

स्टालिन लोकसभा सीटों के संभावित परिसीमन से जुड़ी आशंकाओं, नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद, और हिंदी थोपने की कथित शिकायत को रोजाना के स्तर पर उठा रहे हैं।

इस क्रम में वे अपने राज्य के लोगों को तुरंत अधिक बच्चे पैदा करने की प्रतिगामी सलाह देने की हद तक चले गए हैं। जाहिरा तौर पर केंद्र की कई नीतियों से गहराई शिकायतों में स्टालिन ने अपनी पार्टी डीएमके के लिए अवसर देखा है।संकेत साफ हैं कि साल भर बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में वे इन्हीं भावनात्मक मुद्दों को लेकर अभियान चलाएंगे। इस क्रम में खासकर भाषा विवाद में निहित खतरों की वे पूरी उपेक्षा कर रहे हैं।उनका अभियान हिंदी के खिलाफ है- जिसमें उन्होंने हिंदी बोलियों को खा गई जैसा तथ्यहीन दावा भी किया है। (cm stalin) बहरहाल, ऐसे मुद्दे कैसे हालात पैदा कर रहे हैं, इस पर भी उन्हें जरूर ध्यान देना चाहिए।कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई।सबक क्या है? स्पष्टत: यही कि पहचान एवं भावनाओं की राजनीति ने देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे मसलों को लेकर भड़काऊ माहौल बना रखा है। इसकी बड़ी जिम्मेदारी राजनेताओं और राजनीतिक दलों पर जाती है, जिन्हें ऐसे मुद्दों में वोट पाने का आसान रास्ता दिखता है। चूंकि आर्थिक और विकास नीतियों के मामलों में तमाम दलों ने समान रास्ता चुना हुआ है, वैसे में अपनी अलग प्रासंगिकता दिखाने का उन्हें यही सरल उपाय नजर आता है।लेकिन जन हित और राष्ट्र के व्यापक हित के नजरिए से यह खतरनाक खेल है। यह अवश्य रेखांकित किया जाना चाहिए कि अगर धार्मिक विभाजन की राजनीति देश के लिए जोखिम भरी है, तो भाषा या जाति के आधार पर चुनावी गोलबंदी कम खतरनाक नहीं है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित जेडीयू कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया.

पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट कैंसर

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

कैंसर आज भारत सहित पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए हालिया विश्लेषण में यह खुलासा हुआ है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है, विशेष रूप से महिलाओं में यह दर पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है।

ग्लोबोकैन 2022 के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं में कैंसर से मृत्यु दर में 1.2 फीसद से 4.4 फीसद तक वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि पुरु षों में यह वृद्धि 1.2 फीसद से 2.4 फीसद तक रही है।

ये आंकड़े न केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर संकेत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करते हैं। महिलाओं में कैंसर से बढ़ती मृत्यु दर एक जटिल समस्या है, जो केवल जैविक या चिकित्सीय कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की भी बड़ी भूमिका है। भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि कैंसर न केवल एक गंभीर रोग है, बल्कि भारत में इसका उपचार भी उतना प्रभावी नहीं हो पा रहा है। खासकर महिलाओं में यह स्थिति अधिक गंभीर होती जा रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। परिवार की जिम्मेदारियां, सामाजिक दबाव, और आर्थिक निर्भरता उन्हें समय पर जांच और इलाज कराने से रोकते हैं। कई बार कैंसर के शुरु आती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे बीमारी तब पकड़ी जाती है जब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। महिलाओं में कैंसर की बढ़ती दर

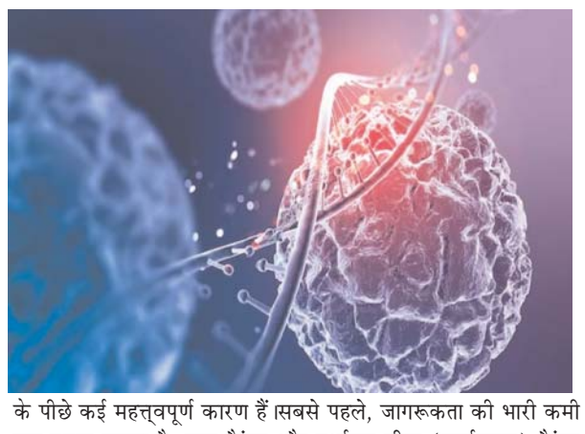

के पीछे कई महत्त्वपूर्ण कारण हैं।सबसे पहले, जागरूकता की भारी कमी एक प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जो भारत में महिलाओं में सबसे आम हैं, यदि प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लिए जाएं, तो इनका इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत नहीं होती। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का सेवन, और अत्यधिक तनाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं।पहले के समय में महिलाएं अधिक शारीरिक श्रम करती थीं और उनका खान-पान भी पारंपरिक और पोषक तत्वों से भरपूर होता था, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह सब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, और मानसिक तनाव ने महिलाओं में कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं में कैंसर के कई मामले अनुवांशिक और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़े होते हैं। स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर मुख्य रूप से हार्मोनल परिवर्तन और अनुवांशिक प्रवृत्तियों के कारण होते हैं।

महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसर में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। ये पांच कैंसर भारत में महिलाओं की कैंसर मृत्यु दर का 44 फीसद हिस्सा बनाते हैं। स्तन कैंसर सबसे आम है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है, क्योंकि यह देर से पहचाना जाता है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं हो सकता।इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सके। महिलाओं को स्वयं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की मानसिकता विकसित करनी होगी। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन, निःशुल्क कैंसर जांच शिविर, और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है। भारत में कैंसर की रोकथाम और इलाज को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होगा। सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं भी समय पर इलाज करा सकें। इसके अलावा, एचपीवी वैक्सीन को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सके।

सोशल मीडिया और भारतीय पत्रकारिता के समक्ष संकट

प्रो. प्रदीप माथुर

पिछले सोमवार के सुप्रीम कोर्ट के आदेश और रणवीर इलाहाबादिया मामले से जुड़े विवाद ने सोशल मीडिया की अनियमितताओं के मुद्दे को सामने ला दिया है। हालाँकि जस्टिस सूर्यकांत का आदेश अश्लीलता और शालीनता के ज्ञात नैतिक मानकों के उल्लंघन के सवाल पर है, जो मामले का आधार था, लेकिन यह मुद्दा बहुत व्यापक है क्योंकि यह मीडिया नैतिकता के सबसे महत्वपूर्ण सवाल से संबंधित है। समय आ गया है कि पूरे मीडिया स्पेक्ट्रम की आलोचनात्मक जांच की जाए और यह पता लगाया जाए कि हमारे मीडिया में क्या गलत है, जिसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद लोकतांत्रिक समाज का चौथा स्तंभ कहा जाता है।

मीडिया एक व्यापक-आधारित शब्द है जिसमें समाचार मीडिया, पारंपरिक मीडिया, सोशल मीडिया, विज्ञापन और जनसंपर्क शामिल हैं। मीडिया और समाचार मीडिया के बीच एक सूक्ष्म लेकिन बहुत महत्वपूर्ण अंतर है जिसे पारंपरिक रूप से पत्रकारिता या प्रेस के रूप में जाना जाता है। यह मीडिया का सबसे महत्वपूर्ण रूप है क्योंकि यह लोगों को बिना किसी डर या पक्षपात के सही, सत्य और वस्तुनिष्ठ जानकारी प्रदान करता है और सामाजिक और नीति-निर्माण मुद्दों के बारे में उनके मन बनाने में उनकी मदद करता है।

यहाँ हम केवल समाचार मीडिया या पत्रकारिता की बात करेंगे जो 1775 में कोलकाता में छपे पहले समाचार पत्र के बाद से अपने 250 साल के अस्तित्व के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का आगमन और अनियंत्रित विकास,

समाचार मीडिया संगठनों को नियंत्रित करने वाले व्यापारिक घरानों और क्रोनी पूंजीपतियों का लालच, समाज के उदार और लोकतांत्रिक स्वभाव में गिरावट, अधिनायकवादी रुझान और वर्तमान राजनीतिक प्रतिष्ठान का स्वतंत्र मीडिया विरोधी रवैया, दर्शकों की उदासीनता और निराशा की सामान्य भावना जैसे कई कारक मिलकर समाचार मीडिया के सामने एक ऐसा अस्तित्वगत संकट पैदा कर रहे हैं जो पहले कभी नहीं था।

दुखद बात यह है कि हम ज्यादातर इस बारे में अनजान हैं। तथाकथित गोदी मीडिया एक बहुत बड़ी बीमारी का लक्षण मात्र है।

अच्छी पत्रकारिता या समाचार मीडिया की पहचान तीन शब्दों से होती है- फ्री, फ्रैंक और फियरलेस। लंबे समय से समाचारों को इन तीन एफ के मानदंडों पर ईमानदार और पेशेवर रूप से ईमानदार पत्रकारों द्वारा लिखा और संपादित किया जाता रहा है। वर्तमान समय में जब समाचार मीडिया की विश्वसनीयता चरमरा गई है, तब भी तीन एफ का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन उनकी परिभाषा बदल गई है। अब वे फेक, फेवरेट और फ्रिवोलस के लिए खड़े हैं। अपने नए अवतार में ये तीन एफ चौथे स्तंभ के लिए एक बड़ा खतरा हैं, जिसका अच्छा स्वास्थ्य हमारे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि किसी भी संवैधानिक संस्था के लिए।

जबकि फर्जी खबरें झूठ फैलाती हैं और पक्षपात निष्पक्षता को खत्म कर देता है, खबरों और सच्ची सूचनाओं की आत्मा, तुच्छ खबरें गंभीर और विचारशील लोगों को समाचार मीडिया से दूर कर देती हैं और मीडिया दर्शकों की गुणवत्ता को कम कर देती हैं कुछ ऐसा जो हम आज देख रहे हैं। और यह हमारे समाज में उचित शासन के लिए एक प्रबुद्ध जनमत के निर्माण के प्रयासों के लिए एक बड़ा खतरा है, जहां लोगों का एक बड़ा वर्ग अज्ञानता, निरक्षरता और पिछड़ेपन से ऊपर उठने के लिए दृढ़ प्रयास कर रहा है।

यह एक शुभ संकेत है कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारे समाज में शालीनता के बुनियादी सामाजिक मानदंडों के समर्थन में बात की है। हमें उम्मीद है कि यह हमारे समाज में समाचार मीडिया की सही भूमिका को भी परिभाषित करेगा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक प्रावधान की आड़ में चल रहे अनैतिक और अवांछनीय व्यवहारों पर प्रतिबंध लगाएगा।

इस महान देश के नागरिक के रूप में, हमें समाचार मीडिया में गंभीर और वस्तुनिष्ठ लेखन के लिए दृढ़ प्रयास करना होगा ताकि सार्वजनिक नीति के मुद्दों पर एक सुविचारित, तर्कसंगत और बुद्धिमान बहस की संस्कृति मजबूत हो। यह हमारे लोगों की भलाई और हमारे देश के त्वरित विकास के लिए आवश्यक है।

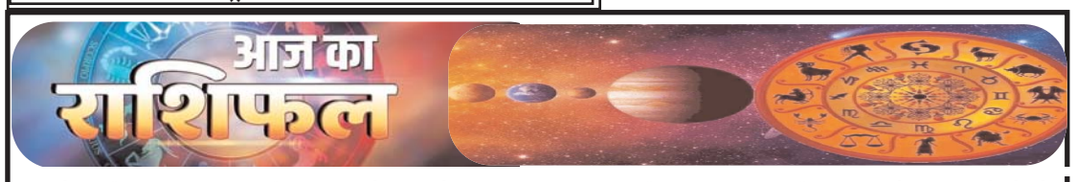

मेष राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने निजी जीवन में चली आ रही समस्याओं का समाधान निकालने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है। आज समाज में आपका रुतबा बढ़ेगा। आपका अनुभव प्रतिष्ठा का कारण बनेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। ऑफिस में काम बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे, लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर के बीच अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझनें दूर होगी। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी, बिजनेस को बढाने के लिए बेहतर फैसले लेंगे। साथ ही व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह भी लेंगे। आज आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए आमदनी के योग बनेंगे।

कर्क राशि : आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज अच्छी खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी, नई पोस्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी, आप भी इसका भरपूर फायदा उठाएंगे। किसी कार्य योजना के कारण आपको यात्रा करनी पड़ेंगी। आज आयी समस्याओं को अपनी समझदारी से दूर कर लेंगे। आज आपके घर के सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। आज आज आप ऑनलाइन नया काम शुरू करेंगे, जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कन्या राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत होगा। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आज आपकी सैलरी में बढ़ोतरी होगी। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। रिश्तेदारों के साथ किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तो में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी कोर्ट केस का फैसला आज आपके पक्ष में आयेगा, इससे आप खुद को रिलैक्स फील करेंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं। आज आप आपनी मेहनत से अच्छा धन कमाने में सफल होंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार में उन्नति होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपका सेहत रोज की अपेक्षा बेहतर रहने वाला है।

धनु राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आपके निजी प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ के स्त्रोत खुलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आज आप ऑफिस में अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे। घर में नन्हें मेहमान के आने से खुशियाँ आएंगी। लोग आपको बधाई देंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे, लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी। आपको निवेश करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने में व्यस्त रहेंगे।

मीन राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज व्यापार में अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज शत्रु पक्ष आपको परेशान करने की नाकाम कोशिश कर सकता है। प्रशासनिक पद पर कार्यरत लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। शिक्षकों का ट्रांसफर उनके मन पसंद जगह पर होगा।

युवा महिलाओं के जीवन की वास्तविक झलक प्रस्तुत करती ज़िद्दी गर्ल्स

हरिशंकर व्यास

कहानी है पांच जेन ज़ी फ्रेशर्स की जो कॉलेज में आते ही गहरी दोस्ती, रोमांस और कैंपस की हवा के साथ साथ ज़िंदगी की ताप से भी गुजर रही हैं।ज़िद्दी गर्ल्स' सीरीज़ का निर्देशन किया है शोनाली बोस ने, जबकि इसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। और संकल्प जोशी शामिल हैं।

कॉलेज की मस्ती, चुनौतियां और भावनात्मक उतार चढ़ाव को इसमें प्रामाणिक रूप से दर्शाया गया है।

कैंपस फ़िक्शन अपने आप में क़िस्सागोई के लिए एक बेहद दिलचस्प स्पेस है। चाहे ये कैंपस कॉलेज का हो या किसी यूनिवर्सिटी का, इसे कभी केंद्र तो कभी नेपथ्य में रख कर बहुत सी कहानियां, उपन्यास लिखे गए और फ़िल्में बनती रहीं हैं। इसी शृंखला में अब एक ताज़ातरीन वेब सीरीज़ आई है, ज़िद्दी गर्ल्स'। फिल्म की कहानी दरअसल दिल्ली विश्वविद्यालय में लड़कियों के लिए मशहूर कॉलेज मिरांडा हाउस' के इर्द गिर्द बुनी गई है, जिसका नाम तकनीकी और व्यावहारिक वजहों से मटिल्डा हाउस' कर दिया गया है। साथ ही शुक्र है उस भूल चूक लेनी देनी' की तखूती (डिस्क्लेमर) एडवांस में लगा देने वाले अनिवार्य चलन का, जिसकी वजह से यह सीरीज़ रिलीज़ के पहले उन विवादों में फंसने से बच गई, जो इसे इसके दर्शकों से दूर रख सकते थे।

तो चलिए आज के सिने-सोहबत' में चर्चा की जाए मटिल्डा हाउस' यानी मिरांडा हाउस' यानी एमएच' से जुड़ी इस कहानी पर बनी ज़िद्दी गर्ल्स' की।

दरअसल, एमएच' से मेरा निजी रिश्ता भी रहा है। तब मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर' (सीएलसी) में पढता था। क़रीब पच्चीस साल हो गए। ज़िंदगी की पहली घोषित गर्लफ्रेंड एमएच में थी और वो भी वहां के हॉस्टल में। ग़ौरतलब है कि ये बताना उतना प्रासंगिक नहीं है कि अब वो मेरी पत्नी हैं लेकिन चूंकि समाज को प्रेम कहानियों का सुखांत देखना अच्छा लगता है इसलिए मैंने इसका ज़िक्र भी कर दिया है।

तो होता ये था कि हर शाम उनसे मिलने जाता था। तब वहां रहने वाली लड़कियों के लिए विज़िटर्स से मिलने का समय होता था शाम साढ़े चार से साढ़े सात। उसके बाद के वक़्त को कहते थे कर्फ़्यू ऑवर'। शाम साढ़े सात के बाद हॉस्टल की वो सभी सैकड़ों लड़कियां उस ऊंची गेट और उससे भी ऊंची दीवारों के पीछे ग़ायब। ज़ाहिर है किसी भी संस्थान और वहां के माहौल को सुरक्षित रखने के लिए सिस्टम्स बनाए जाते हैं और समय समय पर उनको बेहतर करने के इंटरनल और एक्सटर्नल संघर्ष चलते रहते हैं।

बहरहाल, अनुशासन' और अलग अलग किस्म की आज़ादी' के बीच का संघर्ष सदियों से चला आ रहा है लेकिन एमएच' की लड़कियों की जो बात मुझे सबसे ज़्यादा चकित करती रही कि वो है वहां के माहौल में देश भर से पढने और खुद को गढने आई लड़कियों में ऐसा कॉन्फिडेंस आता है कि वो अपनी पसंद की फील्ड में कुछ भी कर गुज़रती हैं और वो भी अपनी शर्तों पर। चाहे वहां के थिएटर ग्रुप्स हों, या डिबेटिंग सोसाइटी या फिर स्टूडेंट्स यूनियन के चुनाव, चुनाव की प्रक्रिया और उनमें इन लड़कियों का बेधड़क भाग लेना, साइंस एक्जीबिशन हो या पोएट्री रेसाइटेशन अपनी पढ़ाई और स्पोर्ट्स के साथ साथ सबमें जूझना इन लड़कियों की जीवन शैली बन जाती है। इस कैंपस में हज़ारों लाखों सपने साकार किए हैं। हर क्षेत्र में लड़कियों ने नाम किए हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित भी एक्स मिरांडीयन (मिरांडा हाउस की पूर्व छात्रा) थीं।

बहरहाल, ज़िद्दी गर्ल्स' कहानी है पांच जेन ज़ी फ्रेशर्स की जो कॉलेज में आते ही गहरी दोस्ती, रोमांस और कैंपस की हवा के साथ साथ ज़िंदगी की ताप से भी गुजर रही हैं। साथ ही वे अपने कॉलेज और वहां के माहौल को बाहरी खतरों से बचाने के लिए संघर्ष करना भी सीखती हैं। ज़िद्दी गर्ल्स' की कहानी का प्लॉट शिक्षा के निजीकरण' की साज़िश को अमली जमा पहनाने की कोशिश और उसके खिलाफ वहां की लड़कियों और कुछ ऐसे शिक्षिकाओं और शिक्षकों के संघर्ष पर टिका है जो उस खुले और प्रगतिशील माहौल को बचाए रखना चाहते हैं। एक तरफ खुले माहौल से हो रही भारतीय संस्कृति के अपमान का कुतर्क और

कॉलेज के खुले माहौल पर अंकुश लगाने की कवायद चल रही होती है तो दूसरी तरफ समानता के अधिकार' के तहत सबके लिए कम शुल्क में अच्छी शिक्षा को बरक़रार रखने की कोशिश है।

देश भर में जिस तेज़ी से शिक्षा का निजीकरण' बढ़ रहा है उससे अमीर और गरीब बच्चों के बीच की खाई और भी चौड़ी होती जा रही है। नितांत आवश्यक है कि सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और अन्य तकनीकी संस्थानों को बेहतर किया जाए ताकि हर तबके से आने वाले विधार्थियों को समान अवसर मिल सके। इस संदर्भ में मुझे छत्तीसगढ़ कैडर के अपने एक आईएएस अधिकारी मित्र अवनीश शरण का नाम इसलिए ध्यान में आ रहा है क्योंकि उन्होंने आईएएस रहते हुए अपनी बेटी की स्कूली शिक्षा के लिए उसका दाखिला शहर के एक सरकारी विद्यालय में करवाया था। लगभग सामंती समाज और उसकी री-पैकेजिंग के तौर पर नौकरशाही की ठसक वाले अपने इस देश के किसी भी छोटे शहर के लिए ये एक बहुत बड़ी घटना थी। उसके बाद अवनीश शरण के कई और साथी अफसरों और जूनियर्स ने भी ऐसा ही किया। फिर सरकारी अधिकारियों को ही राज्य सरकार के उस विद्यालय की स्थिति दुरुस्त करनी पड़ी. जिससे हर वर्ग से आने वाले बच्चों की सहूलियतें बढ़ गई। ज़रुरत है माइक्रो लेवल पर सबको अपना योगदान देने की ताकि अपने देश की शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्राइवेट प्लेयर्स ही आखिरी विकल्प न रहें।

बढ़िया है कि ज़िद्दी गर्ल्स' के माध्यम से समाज में शिक्षा के निजीकरण और उसके इर्द गिर्द भी विचार विमर्श हो कि अपने यहां किस अनुपात में क्या हो या क्या नहीं? ज़िद्दी गर्ल्स' सीरीज़ का निर्देशन किया है शोनाली बोस ने, जबकि इसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। प्रमुख भूमिकाओं में सिमरन, नंदिता दास, अनुप्रिया कैरोली, रेवती, अतिया तारा नायक, उमंग भड़ाना, जैन अली, दिया दामिनी, नंदीश सिंह संधू

और संकल्प जोशी शामिल हैं।

कॉलेज की मस्ती, चुनौतियां और भावनात्मक उतार चढ़ाव को इसमें प्रामाणिक रूप से दर्शाया गया है। साथ ही, यह सीरीज दोस्ती, महत्वाकांक्षाओं और निजी संघर्षों के माध्यम से युवा महिलाओं के जीवन की वास्तविक झलक प्रस्तुत करती है। ये कहानी बखूबी दिखाती है कि कैसे ये लड़कियां अप्रासंगिकता को चुनाती देकर अपने भविष्य के लिए संघर्ष करती हैं। ज़िद्दी गर्ल्स' के इस पहले सीजन् में कुल आठ एपिसोड हैं। अमेजन् प्राइम वीडियो पर है। देख लीजिएगा।(पंकज दुबे मशहूर बाइलिंग्वल उपन्यासकार और चर्चित यूट्यूब चैट शो, स्मॉल टाउन्स बिग स्टोरीज़ के होस्ट हैं।)

बिना भेदभाव प्रगति के अवसर मिलेंगे लेकिन किसी का तुष्टिकरण नहीं होगा : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि नए भारत में सभी को बिना किसी भेदभाव के सुरक्षा और प्रगति के अवसर मिलेंगे, लेकिन किसी का तुष्टिकरण नहीं होगा। आगरा में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 1,000 युवाओं के बीच ऋण वितरण के लिये आयोजित कार्यकम को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। योगी ने आगरा मंडल के 1,000 युवाओं को शुक्रवार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत ऋण का चेक एवं उप्र ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) के प्रशिक्षणार्थियों को टूल किट का वितरण किया। उन्होंने कहा युवा देश की ऊर्जा के प्रतीक हैं। आज 1,000 नए युवा उद्यमी प्रदेश और देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए तत्पर होकर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए महाकुम्भ-2025, प्रयागराज की चर्चा की। उन्होंने कहा कि कुंभ ने उत्तर प्रदेश को आस्था के पांच कॉरिडोर दिए हैं और यह पंच तीर्थ आज आस्था के साथ-साथ आजीविका के भी आधार बने हैं। उन्होंने कहा, इस नए भारत में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं है। सुरक्षा और समृद्धि सभी के लिए है, विकास के अवसर सभी के लिए हैं, लेकिन किसी का तुष्टिकरण नहीं होगा।

हाथरस में फोन पर बात करते समय कुंए में गिरने सेयुवक की मौत

लखनऊ (ए.)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के एक गांव में फोन पर बात करते-करते एक युवक 120 फुट गहरे कुंए में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र के गांव हीरापुर-वाहनपुर में फोन पर बात करते-करते ट्रैक्टर चालक राहुल (20) शुक्रवार की रात करीब 120 फुट गहरे कुंए में गिर गया। वह खेत से कोल्ड स्टोरेज तक आलू पहुंचाने के काम में लगा हुआ था। ट्रैक्टर में खराबी आने के बाद फोन पर बात कर रहा था, तभी वह पैदल चलते-चलते खेत में उतर गया और वहां स्थित कुंए में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गयी। इस हादसे की सूचना मिलने पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद शव को कुंएसे बाहर निकाला। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) श्यामवीर सिंह ने बताया कि एक युवक कुंए में गिर गया था। पुलिस ने दमकल विभाग की मदद से कुंए से राहुल का शव निकाला। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कर्नाटक का बजट देश के लिए मॉडल, 'ब्रांड बेंगलुरु' को मिलेगा बढ़ावा : शिवकुमार

बेंगलुरु (ए.)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को राज्य के बजट को देश के लिए एक मॉडल बताते हुए कहा कि इसमें बेंगलुरु की यातायात समस्याओं के समाधान के लिए कई परियोजनाओं का प्रावधान किया गया है। बेंगलुरु विकास के प्रभारी मंत्री शिवकुमार ने कहा कि शहर में 700-800 किलोमीटर नई सड़कें जोड़ी जा रही हैं। शिवकुमार ने कहा, यह बजट देश के लिए एक आदर्श है। अन्य राज्य भी इस पर ध्यान देंगे। यह ब्रांड बेंगलुरु के लिए एक अच्छा बजट है। बजट शहर की 1.40 करोड़ आबादी के हित में है। इसमें एक सुरंग सड़क परियोजना भी है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यातायात की समस्याओं को दूर करने के लिए फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इसके अलावा, डबल-डेकर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे और नगर निगम और 'बैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (बीएमआरसीएल) से 50-50 प्रतिशत योगदान के साथ नई मेट्रो परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा, सुरंग सड़कों सहित हम 700-800 किलोमीटर नई सड़कें जोड़ रहे हैं। हम ऋण ले सकते हैं, लेकिन हम लोगों को राहत देना चाहते हैं। शुक्रवार को विधानसभा में राज्य का बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि सरकार बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) को उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम गलियारा (सुरंग) परियोजनाओं के लिए 19,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए गारंटर के रूप में खड़ी है, जिसकी लागत 40,000 करोड़ रुपये होगी।

बिहार में बोले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, हिंदुओं का एकजुट होना जरूरी, इकट्ठे रहे तो कोई हरा नहीं पाएगा

गोपालगंज (आरएनएस)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हनुमंत कथा के दौरान हिंदू एकता को देश के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि अगर एकजुट रहेंगे तो कोई भी हमें तोड़ नहीं पाएगा। प्रसिद्ध कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सभा में मौजूद लोगों से कहा कि अगर हिंदू अकेले रहेंगे तो वे टूट जाएंगे, लेकिन अगर वे एकजुट होकर रहेंगे तो कोई भी उन्हें तोड़ नहीं सकता। अगर कुत्ते को एक पत्थर मारा जाए तो वह भाग जाएगा, लेकिन वही पत्थर अगर मधुमक्खी के छत्ते पर मारा जाए तो आपको ही भागना पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि कुत्ता अकेला था, जबकि मधुमक्खी एकजुट थी। उन्होंने कहा कि जैसे मधुमक्खियां अपने एकजुट होने की ताकत से किसी को भी हरा सकती हैं, ठीक उसी तरह हिंदू समाज यदि इकट्ठा रहेगा तो कोई भी उसे हरा नहीं सकेगा। हिंदू अलग रहेगा तो उसे भागना पड़ेगा, लेकिन अगर वह एकजुट रहेगा तो देशद्रोहियों को भागना पड़ेगा। मैं किसी पार्टी का प्रचारक नहीं हूं, मैं एक हिंदुत्व का विचारक हूं। कथावाचक ने संविधान संशोधन को लेकर भी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि हम संविधान के खिलाफ हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। हम भारत के संविधान का सम्मान करते हैं, लेकिन इससे पहले भी 125 बार से ज्यादा संविधान में संशोधन हो चुका है और यदि जरूरत पड़ी तो एक बार फिर हिंदू राष्ट्र के लिए संविधान में संशोधन किया जाएगा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 6 मार्च से 10 मार्च तक बिहार के गोपालगंज जिले में हैं। यहीं भोरे के रामनगर मठ में हनुमंत कथा का आयोजन किया गया है। हनुमंत कथा के दूसरे दिन भोजपुरी अभिनेता और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी, रितेश पाण्डेय, शिवेश मिश्रा, पूर्व विधायक मिथिलेश तिवारी सहित अन्य भाजपा नेता पहुंचे।

विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सहमति और असहमति को लोकतंत्र की ताकत बताते हुए शनिवार को कहा कि विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं है। बिरला ने यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान' के शुरुआती कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सहमति और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन विधानसभाओं और संसद में सुनियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए ठीक नहीं, जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विधायी संस्थानों को चर्चा और संवाद का केंद्र बनना होगा। कहा कि भारत का संविधान केवल कानूनों का संकलन नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक मार्गदर्शक है। पिछले 75 वर्षों में संविधान के मार्गदर्शन में हमने कई परिवर्तन देखे हैं। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस होनी चाहिए, व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और जानबूझकर पैदा किए गए गतिरोध लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि यह संविधान क्लब पक्ष-विपक्ष के बीच सार्थक विमर्श और सहमति का मंच बनेगा। बिरला ने कहा कि यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, विचारशीलता और नीति-निर्माण को दिशा देने वाला मंच है।

लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं होता, बल्कि सतत संवाद और सहमति से आगे बढ़ता है। यह क्लब नीति-निर्माण और सुशासन को नयी ऊंचाइयों तक ले जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान विधानसभा हमेशा मार्गदर्शक रही है, यहां पारित कई विधेयक पूरे देश के लिए उदाहरण बने हैं। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान की भूमि ने लोकतांत्रिक परंपराओं को सदैव समृद्ध किया है। बयान के अनुसार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान की महिलाओं का इतिहास गौरवशाली रहा है। उन्होंने राज्य की महिलाओं द्वारा विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में दिए गए सशक्त नेतृत्व की सराहना की और कहा कि इससे प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन आया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी भी मौजूद रहे।

बहराइच : पुलिस और गो तस्कर के बीच मुठभेड़, घायल आरोपी अस्पताल में भर्ती

बहराइच ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में शनिवार देर रात पुलिस ने गोकशी के वांछित आरोपी को दबोच लिया। आरोपी की पहचान अशरफ (22) के रूप में हुई है। पुलिस को आरोपी के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने क्राइम ब्रांच की टीम के साथ मिलकर चेकिंग शुरू की। इस दौरान हरचंदा रोड से आरोपी अशरफ जा रहा था। पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो आरोपी ने पुलिस पर ही फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में आत्मरक्षा के तहत आरोपी के पैर पर गोली चलाई। जिसके बाद उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। डीपी तिवारी, एसपी ग्रामीण, ने बताया कि चार मार्च को थाना जरवल रोड पर गोकशी का एक मामला पंजीकृत हुआ था। इस मामले की जांच जरवल थाने की पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम संयुक्त रूप से कर रही थी। इस बीच, हमें जैसे ही आरोपी अशरफ के बारे में जानकारी मिली, तो हमने मोर्चा संभालते हुए यह कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि इस मामले में अन्य आरोपी भी शामिल हैं। हमें उनकी तलाश है। जल्दी ही सभी की गिरफ्तारी सुनिश्चित हो जाएगी। पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम इस मामले में कई दिनों से कार्रवाई कर रही है। इस मामले में सभी अभियुक्तों को चिन्हित किया जा चुका है।उन्होंने आगे कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इस मामले में संलिप्त सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने आगे कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इस मामले में संलिप्त सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

इजरायली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप, पुरुष साथियों को नहर में फेंका; आरोपी फरार

हम्पी, (आरएनएस)। कर्नाटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हम्पी में मानवता को शर्मसार करने वाली एक जघन्य घटना सामने आई है। कुछ अज्ञात हमलावरों ने गुरुवार रात सनापुर झील के पास एक इजरायली महिला पर्यटक और एक होमस्टे संचालिका के साथ गैंगरेप किया। इसके साथ ही, उन्होंने पीड़ित महिलाओं के साथ मौजूद तीन पुरुष पर्यटकों से मारपीट की और उन्हें तुंगभद्रा नहर में फेंक दिया, जिनमें से एक पुरुष पर्यटक की शनिवार सुबह मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह भयावह घटना गुरुवार रात 11:00 से 11:30 बजे के बीच घटी। हमलावरों ने 27 वर्षीय इजरायली महिला पर्यटक और 29 वर्षीय स्थानीय होमस्टे संचालिका को अपनी दरिंदगी का शिकार बनाया। ओडिशा का एक पर्यटक, जो उस समय पीड़ित महिलाओं और अन्य पर्यटकों के साथ था, घटना के बाद से लापता था। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने उसे जबरदस्ती तुंगभद्रा नहर में धकेल दिया था। शनिवार सुबह उस लापता पर्यटक का शव सनापुर झील से बरामद कर लिया गया। वहीं, अमेरिका और महाराष्ट्र के दो अन्य पुरुष पर्यटक मारपीट में गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस नृशंस अपराध की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने तत्काल प्रभाव से एक विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया है। गंगावती रूरल पुलिस स्टेशन में इस संबंध में पहले से ही मामला दर्ज था, जिसमें दुष्कर्म की धाराओं के साथ अब हत्या की धारा भी जोड़ी जाएगी, क्योंकि लापता पर्यटक का शव बरामद हो चुका है। पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के अनुसार, घटना के समय चार पर्यटक और एक होमस्टे संचालिका सनापुर झील के निकट समय बिता रहे थे। तभी मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और पेट्रोल पंप का रास्ता पूछने के बहाने उनसे बातचीत शुरू की। जब होमस्टे संचालिका ने बताया कि आसपास कोई पेट्रोल पंप नहीं है, तो आरोपियों ने उनसे पैसे की मांग करना शुरू कर दिया। एफआईआर में आगे बताया गया है कि जब पर्यटकों ने पैसे देने से इनकार किया, तो कन्नड़ और तेलुगू भाषा में बात कर रहे आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और पर्यटकों के साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद, आरोपियों ने जबरदस्ती तीनों पुरुष पर्यटकों को नहर में धकेल दिया। पीड़ित महिला के बयान के अनुसार, जब उसके दोस्त नहर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी तीन हमलावरों में से दो ने उसके और इजरायली महिला पर्यटक के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस की विशेष टीम घटना के बाद से ही आरोपियों की धरपकड़ के लिए सघन तलाशी अभियान चला रही है। शुक्रवार सुबह से ही डॉग स्क्वायड और दमकल विभाग की टीम लापता पर्यटक की तलाश में जुटी हुई थी। शनिवार सुबह पर्यटक का शव बरामद होने के बाद, पुलिस अब आरोपियों की पहचान स्थापित करने और उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस घटना ने हम्पी जैसे शांत और लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वसई रोड स्टेशन से मालगाड़ी चलाते समय महिलाओं के नेतृत्व में रेलवे दल विजय चिन्ह दिखाता हुआ।

महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए सरकार प्रयत्नशील : नीतीश कुमार

पटना (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश एवं देश की महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सीएम ने भरोसा भी दिया कि महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उनकी सुरक्षा, शिक्षा एवं सामाजिक तथा आर्थिक विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। नीतीश कुमार ने सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, किसी भी राज्य या देश के विकास में महिलाओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। महिलाओं के सशक्तीकरण तथा उनकी सुरक्षा, शिक्षा एवं सामाजिक तथा आर्थिक विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि महिलाओं के उत्थान के प्रति सदैव प्रयत्नशील रहें ताकि उनका सामाजिक एवं आर्थिक विकास हो सके और उन्हें एक सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके। इधर, बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 'एक्स' पर लिखा, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:'। अपनी सक्रिय भागीदारी से नए भारत का निर्माण करने वाली नारी शक्ति को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, नारी शौर्य है, साहस है, शक्ति है। नारी देवी है, दुर्गा है, ईश्वर की भक्ति है।

महिला दिवस : पीएम मोदी के 'एक्स' हैंडल पर महिला सीईओ, वैज्ञानिकों ने बताई अपनी सक्सेज स्टोरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फ्रंटियर मार्केट्स की संस्थापक और सीईओ अजयता शाह, 'परमाणु प्रौद्योगिकी से जुड़ीं एलीना मिश्रा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़ी शिल्पी सोनी ने पीएम मोदी के एक्स 'हैंडल' को ऑपरेट किया और इस प्लेटफॉर्म पर अपनी स्टोरी शेयर की। फ्रंटियर मार्केट्स की संस्थापक और सीईओ अजयता शाह ने महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया हैंडल को संभालने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने पीएम के एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, एक मुद्दा जो मेरे दिल के करीब रहा, वह था ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियां। ये चुनौतियां वित्तीय, बुनियादी ढांचे तक पहुंच और बहुत कुछ हो सकती हैं। इसलिए, मैंने पिछले दो दशक इसे कम करने में बिताए हैं। और, मुझे गर्व है कि न केवल मैं बदलाव लाने में सक्षम रही हूं, बल्कि मैं कई और महिलाओं को भी इस अवसर पर आगे बढ़ते और ऐसा करते हुए देख रही हूं।उन्होंने बताया कि 2011 में उन्होंने फ्रंटियर मार्केट्स की स्थापना इस विश्वास के साथ की थी कि अगर ग्रामीण महिलाओं को समर्थन मिले तो कोई भी ताकत उन्हें कुछ भी हासिल करने से नहीं रोक पाएगी। उन्होंने कहा, हमारे संयुक्त प्रयासों ने हजारों महिलाओं का एक शक्तिशाली नेटवर्क सुनिश्चित किया है जो आत्मनिर्भर बन रही हैं और अन्य महिलाओं को आजीविका दे रही हैं। हमारा जोर हमेशा महिलाओं के कौशल और वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने पर रहा है। आप सभी को यह देखकर आश्चर्य होगा कि भारत की महिलाएं किस आसानी से प्रौद्योगिकी को अपना रही हैं।

देश छोड़कर भागे ललित मोदी को भारत लाना होगा मुश्किल, भारतीय पासपोर्ट छोड़ हासिल की इस देश की नागरिकता

नई दिल्ली (आरएनएस)। आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी ने भारतीय पासपोर्ट को सरेंडर करने के लिए आवेदन कर दिया है। उन्हें वनुआतु की नागरिकता मिल गई है। ललित मोदी मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन के आरोपी हैं। एजेंसियों से बचने के लिए वह 2010 में ही भारत छोड़कर भाग गए थे। अब किसी और देश की नागरिकता मिलने के बाद ललित मोदी का प्रत्यर्पण और भी मुश्किल हो गया है। जिस देश की नागरिकता मिलने का दावा किया गया है वह एक छोटा सा देश है जो कि प्रशांत महासागर के एक द्वीप में ही फैला हुआ है। प्रत्यर्पण संधि के मामलों में यह देश पहले से ही कुख्यात है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, 'उसने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में अपना पासपोर्ट जमा करने के लिए आवेदन किया है।' जानकारी के मुताबिक ललित मोदी को 30 दिसंबर 2024 को ही वनुआतु की नागरिकता मिल गई थी। जयसवाल ने कहा, कानून के मुताबिक जिस तरह से भी संभव होगा हम उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। ललित मोदी पर 2009 में आईपीएल के लिए 425 करोड़ की टीवी डील करने में नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। IPL 2010 के बाद ललित मोदी को बीसीसीआई से सस्पेंड कर दिया गया। पुणे और कोच्चि की फ्रेंचाइजी से डील मामले में गड़बड़ी करने के आरोप में उनपर यह कार्रवाई की गई थी। BCCI ने उनके खिलाफ जांच करवाई और दोषी पाए जाने पर 2013 में आजीवन बैन कर दिया। वह लंबे समय से लंदन में ही रह रहे हैं। कई बार इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया। 2015 में ललित मोदी के खिलाफ मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने गैरजमानती वॉरंट जारी किया।

बाबा साहब के विचारों और उनकी सोच का अपमान कर रही है भाजपा : श्यामलाल पाल

अमेठी (ए.)। समाजवादी पार्टी (सपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत डबल इंजन की सरकार को संविधान विरोधी बताते हुए कहा कि यह बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर के विचारों और उनकी सोच का अपमान कर रही है। अमेठी के घटकौर में समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भाजपा को संविधान विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा देश में सामंतशाही व्यवस्था लागू करना चाहती है और उसे संविधान में भरोसा नहीं है। पाल ने कहा कि जिस संविधान को बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने बनाया है, वो संविधान खतरे में है और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य की सरकार बाबा साहब के विचारों और उनकी सोच का अपमान कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संविधान बचाने की मुहिम छेड़ दी है और आज इसी के तहत समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर पहुंचकर इस सामंतवादी सरकार को उखाड़ फेंकने का आवाहन कर रहे हैं। पाल ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जहां पर सभी धर्मों का सम्मान होता है और सभी लोग मिलजुल कर रहते हैं, त्योहार मनाते हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी समाज को बांटने का काम कर रही है।

मेरा जीवन एक खुली किताब की तरह है : नयनतारा

मुंबई (ए.)। अभिनेत्री नयनतारा ने सभी से अपील की है कि वे उन्हें सिर्फ नयनतारा के नाम से संबोधित करें, न कि लेडी सुपरस्टार के रूप में। नयनतारा ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में मेरी यात्रा के दौरान जो मुझे सफलता मिली और मुझे जो खुशी मिली मैं उसके लिए तहे दिल से धन्यवाद करती हूं।

उन्होंने कहा, मेरा जीवन एक खुली किताब की तरह है, जिसे बिना किसी शर्त के प्यार और स्नेह से सजाया गया है। चाहे मेरी मेरी सफलता हो या फिर मुश्किल भरा दौर, मुझे सहारा देने के लिए आप हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। अभिनेत्री ने कहा कि कई लोगों ने उन्हें लेडी सुपरस्टार के नाम से पुकारा है, जो उनके अपार स्नेह की वजह से मिला नाम है। उन्होंने कहा, मुझे इस तरह के नाम से नवाजने के लिए मैं आप सभी की बहुत आभारी हूं। हालांकि, मैं आप सभी से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि मुझे नयनतारा कहकर पुकारें। ऐसा इसलिए क्योंकि मुझे लगता है कि यह नाम मेरे दिल के सबसे करीब है। यह दर्शाता है कि मैं कौन हूं - न केवल एक अभिनेत्री के रूप में बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी।

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उपाधियां और प्रशंसाएं अमूल्य हैं, लेकिन वे कभी-कभी ऐसी छवि भी बना देती हैं, जो सितारों को उनके काम, उनकी कला और दर्शकों के साथ उनके बिना शर्त वाले बंधन से अलग कर देती हैं। मेरा मानना है कि हम सभी प्यार की भाषा साझा करते हैं, जो हमें सभी सीमाओं से परे जोड़े रखती है। मुझे बहुत खुशी है कि आपका अटूट समर्थन निरंतर बना रहेगा, और इसलिए आपका मनोरंजन करने के लिए मेरी कड़ी मेहनत भी जारी रहेगी। सिनेमा ही है जो हमें एकजुट रखता है, आइए हम इसे एक साथ मनाते रहें। बता दें कि मीडिया और प्रशंस नयनतारा को अक्सर लेडी सुपरस्टार के रूप में संबोधित करते हैं।

ऑस्कर 2025 आफ्टर-पार्टी में नोरा फतेही ने बिखेरा जलवा

मुंबई (ए.)। ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही ने ऑस्कर 2025 आफ्टर-पार्टी में अपने हुस्न का जलवा बिखेरा। उन्होंने फर्नांडो जे गार्सिया द्वारा डिज़ाइन किए गए एक लुभावने ऑस्कर डे ला रेंटा गाउन में ऑस्कर 2025 आफ्टर-पार्टी की शोभा बढ़ाई। आधुनिक ग्लैमर के साथ परिष्कार को सहजता से मिलाते हुए, उन्होंने आते ही सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया, उनकी खूबसूरती और आत्मविश्वास देखते ही बनता था। गोल्डन मास्टरपीस में लिपटी नोरा का लुक मंत्रमुग्ध करने वाला था, जिसे इंटरनेशनल स्टाइलिस्ट माहेर जरीदी ने परफेक्शन के साथ स्टाइल किया था। गाउन की बारीक कढ़ाई और डिजाइन ने उनकी ग्लैमरस पर्सनालिटी को और भी बेहतरीन बना दिया, जिससे वह उस रात की सबसे चर्चित हस्तियों में से एक बन गईं। रेड कार्पेट पर अपनी शानदार उपस्थिति के अलावा, नोरा वैश्विक मंच और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। उनकी नवीनतम फिल्म बी हैप्पी जल्द ही रिलीज़ होने वाली है, जिसने प्रशंसकों के बीच काफ़ी उत्साह बढ़ा दिया है।

हमने कंटेंट-ड्रिवेन सिनेमा को प्राथमिकता दी : यामी गौतम

मुंबई (ए.)। बालीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने हमेशा कंटेंट-ड्रिवेन सिनेमा को प्राथमिकता दी है। मीडिया से यामी गौतम ने कई मुद्दों पर खुलकर बात की।

इस दौरान बताया कि उन्होंने बड़े बजट की फिल्मों को ना करने का फैसला क्यों लिया और ऐसी फिल्में क्यों ठुकरा दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किसी बड़ी फिल्म को अच्छी स्क्रिप्ट की कमी के कारण ठुकराया है, तो यामी ने कहा, हां।

हालांकि, उन्होंने उस प्रोजेक्ट का नाम नहीं बताया, जिसे उन्होंने ठुकराया था। अपने निर्णय पर विचार करते हुए यामी ने बताया, हर निर्णय सोच-समझकर लिया जाता है। व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों ही तरह से मैं उन प्रोजेक्ट पर समय बिताने के लिए आभारी हूं जो वास्तव में मेरे साथ जुड़ते हैं, मैं कहानी के साथ जुड़ती हूं। अभिनेत्री ने अपने दर्शकों से मिले सम्मान और प्रशंसा के लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि दर्शक इसका सम्मान करते हैं और वे फिल्म के पैमाने के बजाय मेरे काम के लिए मेरी सराहना करते हैं। यामी गौतम ने यह भी बताया कि वह कैसी स्क्रिप्ट पसंद करती हैं।

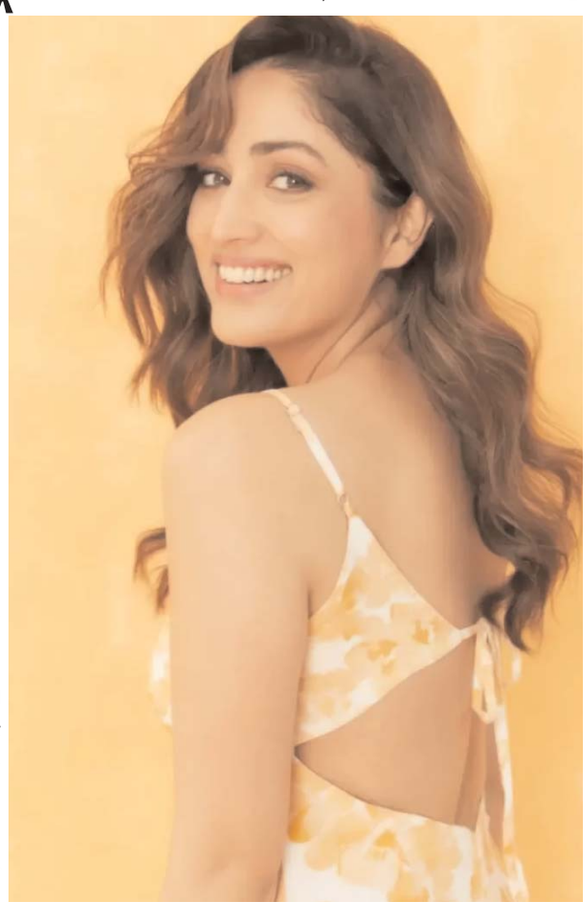

अभिनेत्री ने बताया, मैं अपने नॉलेज और अभिनय पर भरोसा करती हूं। मैं कोशिश करती हूं कि बहुत अधिक सहज ना हो जाऊं। मैं बहुत अधिक विश्लेषण नहीं करती। स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद चाहे वह मुझे उत्साहित करे या चुनौती दे, यही मेरे काम करने या ना करने के निर्णय को तैयार करती है। मैं ऐसी भूमिकाओं को निभाने में भरोसा करती हूं जो मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'धूम धाम' में दिखाई दी थीं, जिसमें उन्होंने एक सुशील और संस्कारी कोयल चड्ढा की भूमिका निभाई।

नैतिक मूल्यों से कभी नहीं किया समझौता : कृतिका कामरा

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री कृतिका कामरा ने अपने एक्टिंग करियर और इंडस्ट्री में अपने सफर को लेकर बेबाकी से अपनी राय रखी है। कृतिका ने कहा कि मैने कभी भी बड़ा बनने के लिए अपनी आत्मा को नहीं बेचा और न ही अपने नैतिक मूल्यों से कोई समझौता किया। कृतिका के मुताबिक, उन्होंने हमेशा अपने करियर में उन विकल्पों को प्राथमिकता दी है जिन पर उन्हें गर्व हो। कृतिका ने कहा कि उनके लिए एक्टिंग सिर्फ चमक-धमक और लोकप्रियता हासिल करने का जरिया नहीं है, बल्कि यह उन कहानियों को दर्शाने का एक मंच है, जो लोगों से जुड़ें और उन पर एक गहरी छाप छोड़ें। कृतिका ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में बने रहना और अपने मूल्यों को बचाए रखना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कई बार ट्रेंड और बाहरी दबाव के कारण कलाकारों को ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं, जो वे नहीं लेना चाहते। लेकिन उन्होंने हमेशा अपने उसूलों के साथ काम किया और वही किरदार चुने जो उनके व्यक्तित्व और सोच को दर्शाते हैं।

कृतिका का मानना है कि सफलता का मतलब सिर्फ प्रसिद्धि हासिल करना नहीं होता, बल्कि अपने काम से संतुष्ट होना और रात को सुकून की नींद लेना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने बताया कि वह कभी भी इंडस्ट्री के दबाव में आकर फैसले नहीं लेतीं और अपनी पसंद के हिसाब से ही प्रोजेक्ट्स को चुनती हैं। उनके लिए यह मायने रखता है कि उनकी फिल्मों और सीरीज की कहानियां लोगों तक सही संदेश पहुंचाएं और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालें।

कृतिका जल्द ही वेब सीरीज मटका किंग में नजर आने वाली हैं, जिसमें विजय वर्मा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह सीरीज मुंबई में मटका जुए की दुनिया और उससे जुड़े किरदारों की कहानी दिखाएगी। इस प्रोजेक्ट को लेकर कृतिका काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसमें उन्हें अपने अभिनय कौशल को एक नए अंदाज में पेश करने का मौका मिलेगा। उन्होंने यह भी साझा किया कि उन्होंने हमेशा साहसिक फैसले लिए हैं और उन प्रोजेक्ट्स से दूर रही हैं जो सिर्फ पुरुषों की नजर को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं। कृतिका का मानना है कि इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए अच्छी कहानियों की कमी नहीं है, लेकिन कलाकारों को अपने काम को लेकर ईमानदार रहना जरूरी है।

नितिन स्टारर रॉबिनहुड की रिलीज़ डेट से उठा पर्दा, 28 मार्च को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

हीरो नितिन अपनी बहुप्रतीक्षित डकैती कॉमेडी रॉबिनहुड के साथ मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन वेंकी कुदुमुला ने किया है, जिन्होंने पहले उनके साथ एक ब्लॉकबस्टर भीष्म बनाई थी। माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में श्रीलीला नितिन के साथ अभिनय करती हैं। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है, और रॉबिनहुड 28 मार्च को सिनेमाघरों में आने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो गर्मियों की रिलीज के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक है। रिलीज डेट पोस्टर में नितिन को एक आकर्षक, विशेष एजेंट अवतार में दिखाया गया है, जो स्टाइल के साथ चलते हुए शान से पेश आ रहा है। फिल्म की प्रचार गतिविधियाँ जल्द ही शुरू होंगी, जिसमें केतिका शर्मा की विशेषता वाला दूसरा सिंगल कुछ ही दिनों में रिलीज़ होने वाला है।

दोबारा बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी 'नमस्ते लंदन'

मुंबई (ए.)। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित और प्रोड्यूस की गई फिल्म 'नमस्ते लंदन' को पुनः सिनेमा घरों में रिलीज किया जा रहा है। फिल्म को इस होली, 14 मार्च को दोबारा बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने इसकी घोषणा सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर करते हुए की, जिसमें लिखा गया, इस होली, 14 मार्च को बड़े पर्दे पर 'नमस्ते लंदन' की री-रिलीज़ का ऐलान करते हुए बेहद खुश हैं! एक बार फिर तैयार हो जाइए जादू भरे गाने, आइकॉनिक डायलॉग्स और टाइमलेस रोमांस को बड़े पर्दे पर जीने के लिए! साल 2007 में रिलीज हुई 'नमस्ते लंदन' उस समय बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी।

अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की जोड़ी को इस फिल्म के बाद दर्शकों ने खूब पसंद किया और यह उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक बन गई।

फिल्म की कहानी एक ऐसी भारतीय लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो विदेश में पली-बढ़ी है और भारतीय परंपराओं को नहीं मानती। लेकिन उसके जीवन में एक देसी लड़के के आने के बाद सब कुछ बदल जाता है। इसमें ऋषि कपूर, नीना वाडिया, जावेद शेख, उपेन पटेल और क्लाइव स्टैंडन जैसे शानदार कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म के गाने, संवाद और अक्षय-कैटरीना की शानदार केमिस्ट्री ने इसे एक टाइमलेस क्लासिक बना दिया। 'नमस्ते लंदन' ने 2007 में बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया था और उस साल की टॉप-10 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हुई थी। फिल्म का गाना 'विरह' आज भी लोगों के दिलों को छू जाता है। अक्षय कुमार का 'हम एक हिंदुस्तानी हैं' वाला डायलॉग आज भी फैंस के बीच पॉपुलर है। इस फिल्म की री-रिलीज के साथ ही विपुल अमृतलाल शाह अपनी अगली फिल्म 'हिसाब' भी लेकर आ रहे हैं, जिसमें जयदीप अहलावत और शेफाली शाह मुख्य भूमिकाओं में होंगे। यह फिल्म सनशाइन पिक्चर्स और जियो स्टूडियोज के सहयोग से बनाई गई है और इस साल के अंत तक रिलीज होने की उम्मीद है।

क्या आलसी होना भी हो सकता है फायदेमंद? जानिए क्या है नया थेराप्यूटिक लेजीनेस ट्रेंड

हर साल त्वचा की देखभाल, घर की सजावट और फैशन से जुड़े नए-नए ट्रेंड सामने आते हैं। हालांकि, क्या आपने कभी आलस करने के ट्रेंड के बारे में सुना है?

आपको जानकर हैरानी होगी कि 2025 में नींद से जुड़ा एक नया रुझान वायरल हो रहा है, जिसे थेराप्यूटिक लेजीनेस नाम दिया गया है।

यह ट्रेंड सिखाता है कि कैसे आलस करना भी फायदेमंद और चिकित्सकीय हो सकता है। आज हम आपको इस ट्रेंड का मतलब और इसके फायदे बताएंगे।

जानिए थेराप्यूटिक लेजीनेस ट्रेंड का मतलब

थेराप्यूटिक लेजीनेस पहले से प्रचिलित बेडरौटिंग ट्रेंड को नया आयाम देती है। इसका मतलब होता है बिना कोई काम किए लंबे समय तक बिस्तर पर बैठे या लेते रहना।

थेराप्यूटिक लेजीनेस तब होती है जब आप देर तक बिस्तर पर लेते हुए जानबूझकर अनुत्पादक व्यवहार करते हैं।

यह खुद की देखभाल करने का एक तरीका है, जिसके दौरान मन को शांत करने के लिए लोग इरादतन कोई काम नहीं करते हैं।

यह तकनीक तनाव पीड़ित लोगों के लिए अच्छी है।

इस ट्रेंड को अपनाने से मिलेंगे ये लाभ

सुनने में अजीब लगता है, लेकिन इस ट्रेंड को अपनाने के कई फायदे हो सकते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि थेराप्यूटिक लेजीनेस से ध्यान, रचनात्मकता और उत्पादकता में सुधार हो सकता है।

सक्रीय जीवनशैली वाले लोग और ऑफिस का काम करने वाले लोग अपने मन को शांत करने के लिए यह ट्रेंड अपना सकते हैं।

रात के वक्त कुछ देर बिना कोई काम किए लेटने से बेहतर नींद आती है और बुरे सपने भी नहीं आते हैं।

क्या इसके कोई नकारात्मक प्रभाव होते हैं?

अगर आप बहुत देर तक या बार-बार थेराप्यूटिक लेजीनेस का पालन करते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

थोड़े समय के लिए आराम करना मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। हालांकि, लंबे समय तक लेटे रहने से सुस्ती आती है और उत्पादकता व प्रेरणा कम होने लगती है।

इतना ही नहीं, इससे कुछ लोग अवसाद का भी शिकार हो सकते हैं। इसीलिए, कुछ देर आराम करें और बाकि समय काम करते हुए ही बिताएं।

आराम करते समय शर्म महसूस करने से कैसे बचें?

कई लोगों को काम करने की ऐसी आदत होती है कि जब भी वे ब्रेक लेटे हैं तो उन्हें शर्म महसूस होती है। ऐसे लोग मानते हैं कि आराम करने से समय बरबाद होता है।

इस मानसिकता से छुटकारा पाने के लिए आराम को नए सिरे से देखना शुरू करें। काम के बीच समय निकालकर आराम करें और काम खत्म करने के बाद आराम करने को प्राथमिकता दें।

इससे आपका काम भी प्रभावित नहीं होगा और आप खुशहाल भी रहेंगे।

क्या रोजाना 8 गिलास पानी पीना जरूरी है? जानें सच्चाई

हम सभी ने सुना है कि रोजाना आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है। यह सलाह इतनी आम हो गई है कि लोग इसे बिना सोचे-समझे मानने लगे हैं। हालांकि, क्या वाकई में यह सच है? इस लेख में हम इस भ्रम को समझने की कोशिश करेंगे और जानेंगे कि वास्तव में हमें कितना पानी पीना चाहिए। आइए पानी पीने का सही तरीका और इसके अधिक सेवन के नुकसान बताते हैं।

शरीर की जरूरत के अनुसार पानी पीएं

हर व्यक्ति की शरीर की जरूरतें अलग-अलग होती हैं इसलिए एक ही मात्रा में पानी पीने का नियम सभी पर लागू नहीं होता है।

हमारे शरीर को कितनी मात्रा में पानी चाहिए, यह कई बातों पर निर्भर करता है जैसे उम्र, वजन, शारीरिक गतिविधि और मौसम।

अगर आप ज्यादा पसीना बहाते हैं या गर्मी होती है तो आपको अधिक पानी की जरूरत हो सकती है। इसलिए अपने शरीर के संकेतों को सुनें और उसी अनुसार पानी पीएं।

भोजन से भी मिलता है पर्याप्त पानी

पानी केवल पेय पदार्थों से ही नहीं मिलता बल्कि हमारे खाने से भी हमें पर्याप्त पानी प्राप्त हो सकता है। फल और सब्जियों जैसे खीरा, तरबूज, संतरा आदि में काफी मात्रा में पानी होता है, जो हमारी दैनिक आवश्यकता का हिस्सा बन सकता है। इसलिए केवल पेय पदार्थों पर निर्भर न रहें बल्कि अपनी डाइट पर भी ध्यान दें ताकि आपके शरीर को सही मात्रा में पानी मिल सके।

अधिक पानी पीने के नुकसान

अधिक मात्रा में पानी पीने से कुछ समस्याएं भी हो सकती हैं जैसे इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन या हाइपोनेट्रेमिया, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। जब हम जरूरत से ज्यादा पानी पीते हैं तो हमारे खून का सोडियम स्तर कम हो जाता है, जिससे कमजोरी या चक्कर आने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए हमेशा संतुलित मात्रा में ही पानी पीएं ताकि आपका स्वास्थ्य ठीक रहे।

प्यास लगने पर ही करें पानी सेवन

हमारा शरीर खुद हमें संकेत देता रहता है जब उसे किसी चीज की आवश्यकता होती है, जैसे भूख लगती तब खाना खाते हैं वैसे ही जब प्यास लगे तभी हमें जल सेवन करना चाहिए।बिना वजह बार-बार पानी पीते रहने से बचें क्योंकि इससे आपकी किडनियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है, जिससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा बढ़ जाता है।अपने शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया पर भरोसा करें और उसी अनुसार अपनी दिनचर्या बनाएं।

कबड्डी खिलाड़ी हस्ती वेगड़ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लैंगिक समानता पर दिया जोर

राजकोट(आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गुजरात के राजकोट की रहने वाली कबड्डी खिलाड़ी हस्ती वेगड़ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर लड़कों और लड़कियों को समान बताते हुए समाज में समान अवसरों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लड़कियां कई क्षेत्रों में लड़कों से भी आगे बढ़ चुकी हैं और यह बदलाव दिखाता है कि महिलाओं के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं होनी चाहिए।

हस्ती वेगड़ ने अपने खेल जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि वे 2012-13 से कबड्डी से जुड़ी हुई हैं और यह उनका मुख्य खेल है। उन्होंने स्कूल से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कबड्डी खेली है और वर्तमान में वे सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में एमपीएड में अभ्यास कर रही हैं। वे सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम की सबसे पसंदीदा खिलाड़ी हैं। इसके अलावा, उन्होंने हैंडबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो-खो और रग्बी जैसे खेलों में भी भाग लिया है, जिसमें पिछले साल रग्बी में उन्हें कांस्य पदक मिला था।

हस्ती ने महिला दिवस के अवसर पर अपने परिवार का भी धन्यवाद किया और बताया कि उनके छोटे भाई की तुलना में उन्हें अधिक सुविधाएं और समर्थन मिला, जिससे वे इस मंच तक पहुंच पाई हैं। वे सभी माता-पिता को संदेश देती हैं कि अपनी बेटियों को किसी भी क्षेत्र में अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर दें। जब वे आगे बढ़ेंगी, तो न केवल उनका बल्कि उनके परिवार का नाम भी रोशन होगा।

उन्होंने कबड्डी में अपने आदर्श खिलाड़ी के रूप में अनूप कुमार का नाम लिया और बताया कि वे रोजाना ढाई से तीन घंटे अभ्यास करती हैं। कबड्डी के खेल में वे एक ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं, जहां एक राइडर और एक डिफेंडर की भूमिका होती है। राइडर अकेले पॉइंट लेने जाता है, जबकि डिफेंडर टीम के साथ मिलकर विरोधी टीम को रोकने की कोशिश करता है। वे टीम भावना की अहमियत को भी समझती हैं और मानती हैं कि कबड्डी जैसा खेल टीम वर्क को बढ़ावा देता है।

हाल के वर्षों में भारत का आईसीसी टूर्नामेंट में आधिपत्य, न्यूजीलैंड भी कम नहीं

-चैंपियंस ट्रॉफी

नई दिल्ली (ए.)। भारत और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीमें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में 9 मार्च को फाइनल मुकाबला खेलने जा रही हैं। दोनों टीमों का पिछले कुछ साल में आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार इतिहास रहा है। न्यूजीलैंड जहां अपनी निरंतरता के साथ बेहतरीन रही है, तो भारतीय टीम ने अपना जबरदस्त आधिपत्य दिखाया है। यही वजह है कि 2011 से अब तक आईसीसी टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने सबसे ज्यादा मैच जीते हैं। भारत ने इस अवधि में 86 में से 70 मुकाबले जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड ने 77 मैचों में 49 मुकाबले जीते हैं। जाहिर है, मैच जीतने के मामले में भारत के आसपास न्यूजीलैंड नहीं ठहरती है। लेकिन जब बात ट्रॉफी जीतने की आती है, तो टीम इंडिया और न्यूजीलैंड दोनों के पास ही बहुत ज्यादा ट्रॉफी नहीं है और इस बार ट्रॉफी के लिए दोनों टीमों का फाइनल मुकाबला है। साल 2011 से अब तक 14 आईसीसी प्रतियोगिताएं हो चुकी हैं, जिसमें भारत सिर्फ दो बार ही नॉकआउट स्टेज में नहीं पहुंच पाया है। भारत ने इस दौरान चार सेमीफाइनल खेले हैं और पांच बार यह टीम रनर-अप रही है। तीन बार भारत ने ट्रॉफी जीतने में कामयाबी हासिल की है। वहीं न्यूजीलैंड ने भी निरंतरता दिखाते हुए इस अवधि में आठ बार नॉकआउट स्टेज में एंट्री हासिल की है, चार सेमीफाइनल खेले हैं और तीन बार ब्लैक कैप्स रनर-अप रहे हैं। उन्होंने 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को हराया भी है। दोनों टीमों के ये आंकड़े शानदार हैं। इस अवधि में कोई अन्य टीम इतनी बार सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी दोनों टीमों का फाइनल खेलना एक बार फिर इन टीमों के शानदार प्रदर्शन की पुष्टि करता है। साल 2011 से अब तक सबसे ज्यादा नॉकआउट खेलने वाली टीमों में टीम इंडिया 12 मैचों के साथ टॉप पर है। न्यूजीलैंड ने इस अवधि में 8 बार आईसीसी नॉकआउट मैच खेले और भारत के बाद वह इस मामले में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। आईसीसी ट्रॉफी जीतने के मामले में दबदबा बनाने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस अवधि में सिर्फ 6 ही नॉकआउट मैच खेले हैं, जो भारत और न्यूजीलैंड के शानदार प्रदर्शन का एक और प्रमाण है। भारत ने इस दौरान एक वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप और एक बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती है।

सिर्फ वनडे फॉर्मेट की बात करें तो भारत ने साल 2011 से अब तक 38 ग्रुप स्टेज मैच खेले हैं, जिसमें वह केवल तीन बार ही हारे हैं और एक मैच टाई रहा है। यह आंकड़ा बाकी सभी टीमों पर बहुत भारी है। ग्रुप स्टेज में भारत को अंतिम बार 2019 वनडे वर्ल्ड कप में मेजबान इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इस वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने ही हराया था।

न्यूजीलैंड एक ऐसा प्रतिद्वंदी है, जिसे भारत नॉकआउट में कभी हल्के में नहीं ले सकता है। कीवियों ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के उद्घाटन संस्करण में भी भारत को फाइनल में मात दी थी। हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड को हराया है, लेकिन ब्लैक कैप्स ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को आसानी से मात देकर 9 मार्च को दुबई की धरती पर एक जबरदस्त फाइनल मुकाबले का प्लेटफॉर्म तैयार कर दिया है।

राजस्थान रॉयल्स ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पिंक प्रॉमिस जर्सी लॉन्च की

नईदिल्ली,(ए)। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 में अपने बहुप्रतीक्षित पिंक प्रॉमिस मैच के लिए एक आकर्षक ऑल-पिंक जर्सी का अनावरण करके अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। रॉयल्स पिंक प्रॉमिस का उद्देश्य राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवर्तन का समर्थन करना जारी रखना है। इस प्रतिबद्धता को सबसे बड़े मंच पर ले जाते हुए, राजस्थान रॉयल्स 1 मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिंक प्रॉमिस मैच की मेजबानी करेगा। आईपीएल फ्रेंचाइजी ने एक विज्ञप्ति में कहा, राजस्थान रॉयल्स की सीएसआर शाखा रॉयल राजस्थान फाउंडेशन (आरआरएफ) ने भी एक शक्तिशाली सपिंक प्रॉमिस अभियान फिल्म, औरत है तो भारत है के लॉन्च के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। पिछले साल, पिंक प्रॉमिस अभियान ने ल्यूमिनस जैसे भागीदारों के समर्थन के साथ 250 से अधिक घरों में रोशनी लाकर हजारों लोगों के जीवन को रोशन किया। पहल के बारे में बात करते हुए, राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक, कुमार संगकारा ने कहा, पिंक प्रॉमिस के माध्यम से, हम एक स्थायी प्रभाव बनाने का प्रयास करते हैं - न केवल व्यक्तियों पर, बल्कि उनके परिवारों और समुदायों पर, जो बदलाव को प्रेरित करते हैं, जो बहुत दूर तक फैलते हैं। पिछले साल, हमने खुद देखा कि कैसे इस पहल ने जीवन को बदल दिया, और यह कुछ ऐसा है जो हम गहराई से मानते हैं। एक टीम के रूप में, हम इस यात्रा का हिस्सा होने पर बहुत गर्व महसूस करते हैं, फाउंडेशन में सार्थक समय बिताते हैं ताकि वास्तव में किए जा रहे काम को समझ सकें। पिंक प्रॉमिस एक अभियान से कहीं अधिक है; यह एक सांस्कृतिक प्रतिबद्धता है जो हमारे मूल्यों को आकार देती है और उन मानकों को परिभाषित करती है जिनके लिए हम खड़े हैं। इस साल जमीनी स्तर पर प्रभाव डालना जारी रखने के लिए, रॉयल्स राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व वाले ग्रामीण परिवर्तन के लिए आरआर बनाम एमआई मैच के लिए खरीदे गए प्रत्येक टिकट के लिए 100 रुपये का योगदान देगा।

अंतर्राष्ट्रीय महासंघ ने भारतीय निशानेबाजी लीग को आईएसएसएफ विंडो आवंटित की

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ओलंपिक खेल निशानेबाजी को नियंत्रित करने वाली वैश्विक संस्था, अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने अपने अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर में उद्घाटन भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) के लिए एक विंडो आवंटित की है, जो अब 24 नवंबर से 7 दिसंबर, 2025 तक आयोजित की जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिछले साल नवंबर में भारतीय निशानेबाजी लीग की मेजबानी करने की अपनी मंशा की घोषणा की थी और अब इसे आईएसएसएफ से मान्यता मिलने के साथ ही यह लीग विश्व स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता होने का वादा करती है, जिसमें शीर्ष भारतीय निशानेबाज खेल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से मुकाबला करेंगे। इस विकास से रोमांचित, एनआरएआई के अध्यक्ष, कलिकेश नारायण सिंह देव ने टिप्पणी की, हम सभी बहुत उत्साहित हैं। आईएसएसएफ द्वारा अब एसएलआई को मान्यता दिए जाने और अपने आधिकारिक कैलेंडर में इसके लिए एक विंडो आवंटित किए जाने के साथ, यह अब आधिकारिक रूप से एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है। भारत की इस खेल में पहले से ही वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति है, इसलिए लीग की अनूठी प्रकृति के अलावा, इससे अधिकांश शीर्ष निशानेबाजों को लीग की ओर आकर्षित करने में मदद मिलेगी। पर्दे के पीछे बहुत काम चल रहा है, और यह हमें अब तक देखे गए सर्वश्रेष्ठ शूटिंग खेल तमाशे में से एक पेश करने के लिए और प्रेरित करता है। पिछले महीने, एनआरएआई ने एलेना नॉर्मन को एसएलआई के लिए सलाहकार और न्यू होराइजन्स अलायंस प्राइवेट लिमिटेड को अपनी वाणिज्यिक और विपणन एजेंसी के रूप में घोषित किया था।

IND VS NZ के बीच फाइनल मुकाबले से पहले विराट कोहली को लगी चोट, फैंस का टूटा दिल

नई दिल्ली(ए)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल रविवार को खेला जाना है। लेकिन उससे पहले निराश कर देने वाली खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार मैच से पहले स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को चोट लग गई है।टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन के दौरान कोहली को चोट लगी है। कोहली को ये चोट बैटिंग के दौरान लगी, जिसके बाद उन्होंने अभ्यास रोक दिया और मेडिकल टीम उनकी जांच में जुट गई। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आईसीसी एकेडमी में प्रैक्टिस के दौरान विराट जब तेज गेंदबाजों का सामना कर रहे थे, तभी एक गेंद उनके घुटने में लग गई। इसके बाद उन्होंने बल्लेबाजी रोक दी और भारतीय टीम के फिजियो उनकी देखभाल में लग गए। कोहली ने इसके बाद प्रैक्टिस नहीं की लेकिन इस दौरान वो बाकी खिलाड़ियों का अभ्यास देखते रहे और टीम के साथ ही मैदान पर बने रहे। पिछले कुछ वक्त में विराट की फिटनेस भी टीम इंडिया के लिए थोड़ी चिंता का कारण बनी है और हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में भी वो घुटने की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। ऐसे में ताजा चोट टीम इंडिया और इसके फैंस को परेशान कर सकती है। हालांकि, राहत की बात ये है कि कोहली की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। रिपोर्ट में भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ के हवाले से बताया गया है कि कोहली फाइनल के लिए फिट हैं और मैदान में उतरेंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में खुद को अधिक समय देने तैयार शुभमन गिल

नईदिल्ली,(आरएनएस)। भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए कमर कस रहे हैं क्योंकि वह रविवार को अपना दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट फाइनल खेलने के लिए तैयार हैं, जब रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी।अहमदाबाद में आईसीसी 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में गिल बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहे और चार रन पर सस्ते में आउट हो गए, जिसमें भारत छह विकेट से हार गया और तीसरा टूर्नामेंट खिताब जीतने से चूक गया।हालांकि, गिल इस दिल टूटने से आगे बढ़ चुके हैं और अब अधिक परिपक्व हैं। वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर काबिज उप-कप्तान मानसिक रूप से दबाव को बेहतर ढंग से संभालने और क्रीज पर अधिक समय बिताने के लिए तैयार हैं।रविवार को न्यूजीलैंड के साथ भारत के निर्णायक मैच से पहले आईसीसी ने गिल के हवाले से कहा, जाहिर है कि उस मैच में कुछ घबराहट थी।

विदेश समाचार

ट्रंप कैबिनेट मीटिंग में रुबियो और मस्क के बीच तीखी बहस, देखते रह गए राष्ट्रपति

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट मीटिंग में विदेश मंत्री मार्को रूबियो और एलन मस्क के बीच अप्रत्याशित रूप से तीखी बहस हो गई। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटनाक्रम कर्मचारियों की छंटनी के मुद्दे पर हुआ, जिसने राष्ट्रपति ट्रंप समेत वहां मौजूद सभी लोगों को चौंका दिया। सूत्रों के मुताबिक, बहस इतनी बढ़ गई कि विदेश मंत्री रूबियो ने सार्वजनिक रूप से एलन मस्क पर झूठ बोलने का आरोप लगा दिया। यह अप्रिय घटना उस समय घटी जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कैबिनेट प्रमुखों से कहा कि स्टाफिंग और नीति संबंधी अंतिम निर्णय उन्हीं का होगा, न कि मस्क का। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस बहस में अमेरिकी परिवहन मंत्री भी शामिल हो गए, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।यह सारा ड्रामा ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका में सरकारी एजेंसियों में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप और उनके सलाहकारों ने अमेरिकी नौकरशाही में कटौती के अभियान के तहत हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह कदम फेडरल गवर्नमेंट में स्टाफ की अधिकता और देश पर बढ़ते कर्ज को कम करने के लिए उठाया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि सरकार पर 36 लाख करोड़ डॉलर का कर्ज है और पिछले साल करोड़ों डॉलर का घाटा हुआ था, जिसके कारण सुधार की आवश्यकता है।हालांकि, जब राष्ट्रपति ट्रंप से इस बहस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसे पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने मीडिया से कहा, ऐसा कुछ नहीं हुआ। कोई क्लैश नहीं हुआ। मैं वहां मौजूद था। एलन, मार्को के साथ बहुत अच्छे से पेश आते हैं और वे दोनों शानदार काम कर रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि मार्को ने विदेश मंत्री के रूप में अविश्वसनीय काम किया है और एलन एक अनोखे व्यक्ति हैं जिन्होंने शानदार काम किया है। राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से इस घटना को कमतर आंकने के प्रयासों के बावजूद, रूबियो और मस्क के बीच हुई यह सार्वजनिक बहस व्हाइट हाउस के भीतर चल रही तनावपूर्ण स्थिति और प्रशासन की नीतियों पर गहरे मतभेदों को उजागर करती है।

टोरंटो के पब में ताबड़तोड़ फायरिंग से मचा हड़कंप, 11 लोग घायल; आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

टोरंटो (आरएनएस)। कनाडा के टोरंटो शहर में शुक्रवार रात एक पब में हुई गोलीबारी की घटना में 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात करीब 10:30 बजे प्रोग्रेस एवेन्यू और कॉर्पोरेट ड्राइव के पास स्थित एक पब में हुई।

टोरंटो पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की घटना के बाद आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा। घायल हुए सभी 11 लोगों को तत्काल प्रभाव से स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल घायलों की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

पुलिस अधिकारी अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं कर पाए हैं कि गोलीबारी के पीछे हमलावर का मकसद क्या था। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हमले में किस प्रकार के हथियार का इस्तेमाल किया गया। जांचकर्ताओं की टीम घटनास्थल पर सबूत जुटा रही है और घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने घटना स्थल के आसपास रहने वाले निवासियों को सतर्क रहने की सलाह जारी की है। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि यदि उनके पास घटना के संबंध में कोई भी जानकारी है तो वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

पुलिस का कहना है कि वे मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं और आरोपी को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल, इस गोलीबारी की घटना से टोरंटो शहर में दहशत का माहौल है।

ईरान ने ब्रिटिश राजदूत को तलब किया, 'तेहरान विरोधी' रुख पर जताया विरोध

तेहरान , (आरएनएस)। ईरान ने ब्रिटेन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हाल ही में अपनाए गए 'तेहरान विरोधी' रुख के खिलाफ ब्रिटिश राजदूत ह्यूगो शॉर्टर को तलब किया। ईरान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि ब्रिटिश दूत को ब्रिटिश अधिकारियों के ईरान के खिलाफ लगाए गए निराधार आरोपों पर विरोध जताने के लिए बुलाया गया।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, ब्रिटिश दूत को वरिष्ठ ब्रिटिश अधिकारियों के ईरान के बारे में निराधार दावों और उनके इस आरोप के खिलाफ विरोध जताने के लिए बुलाया गया था कि तेहरान ब्रिटेन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना चाहता है।

बैठक के दौरान, सहायक विदेश मंत्री अलीरेजा यूसुफी ने ब्रिटिश अधिकारियों के रुख की आलोचना करते हुए कहा, ब्रिटिश अधिकारियों के पक्षपाती रुख और निराधार दावे अंतर्राष्ट्रीय कानून और कूटनीतिक मानदंडों के खिलाफ हैं, और इससे ईरानी लोगों में ब्रिटेन की नीतियों के प्रति अविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने ब्रिटिश सरकार से अपील की, ईरानी राष्ट्र के प्रति अपने असंरचनात्मक दृष्टिकोण (अनकंस्ट्रक्टिव अपरोच) पर पुनर्विचार करें और इसे संशोधित करें। साथ ही इस बैठक के दौरान ईरानी विदेश मंत्रालय के सहायक मंत्री अलीरेजा यूसुफी ने ब्रिटिश अधिकारियों से अपील की कि वे अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करें और इसे अधिक संरचनात्मक और कूटनीतिक बनाएं। ब्रिटिश राजदूत ह्यूगो शॉर्टर ने कहा कि वह अपनी सरकार को ईरान के विरोध से अवगत कराएंगे।

इससे पहले, ब्रिटेन की संसद में मंगलवार को ब्रिटिश सुरक्षा मंत्री डैन जार्विस ने बयान दिया था, मैं पूरे ईरानी राज्य को, जिसमें उसकी खुफिया सेवाएं, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और खुफिया मंत्रालय शामिल हैं, आगामी फॉरेन इंफ्लूएंस रजिस्ट्रेशन स्कीम में रखूंगा। उन्होंने यह भी कहा, ब्रिटेन में लक्ष्यों के खिलाफ ईरान द्वारा प्रत्यक्ष कार्रवाई हाल के वर्षों में बढ़ी है, और आरोप लगाया कि ईरान असंतुष्टों, मीडिया संगठनों और पत्रकारों को निशाना बना रहा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघेई ने इन दावों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और ब्रिटेन से अपने असंरचनात्मक दृष्टिकोण को बदलने की अपील की।

बांग्लादेश राइफल्स विद्रोह : अंतरिम सरकार के आयोग का हसीना समेत 15 लोगों को नोटिस, गवाही के लिए बुलाया

ढाका (आरएनएस)। अंतरिम सरकार द्वारा गठित एक आयोग ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 14 अन्य लोगों से 2009 के बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) विद्रोह की दोबारा जांच के लिए गवाही देने को कहा है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र जांच आयोग ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर 15 व्यक्तियों को नोटिस जारी कर गवाही देने का आग्रह किया है। इनमें शेख हसीना भी शामिल हैं। नोटिस में कहा गया है कि जो लोग सहयोग नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इन 15 लोगों में उस समय के सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल मोइन यू. अहमद, उनके उत्तराधिकारी जनरल अजीज अहमद और हसीना की अवामी लीग सरकार के कई पूर्व सैन्य और पुलिस अधिकारी व राजनेता शामिल हैं।

शेख हसीना छात्र आंदोलन के बाद पिछले साल पांच अगस्त को देश छोड़कर भारत आ चुकी हैं, जबकि अन्य लोग विदेश में ससान्य जीवन जी रहे हैं या फरार हैं। आयोग ने इन व्यक्तियों से व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन गवाई देने का अनुरोध किया है। गवाहों से कहा गया है कि वे नोटिस जारी होने के सात दिनों के भीतर अपने प्रस्तावित कार्यक्रम की जानकारी आयोग को दें। आयोग ने पिछले महीने बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय को एक औपचारिक पत्र भेजा था। पत्र में उन लोगों की पहचान के लिए मदद मांगी गई थी, जिन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जाना है।

सीरिया में असद समर्थकों और सुरक्षाबलों में हिंसक झड़प, 200 से ज्यादा की मौत; कर्फ्यू लागू

दमिश्क (ए.)। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थकों और नई सरकार के सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। यह झड़पें गुरुवार को शुरू हुईं और शुक्रवार तक जारी रहीं, जिनमें अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन स्थित 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' के अनुसार, यह हिंसा तब भड़की जब सरकारी बलों ने तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की। इस कार्रवाई के विरोध में असद समर्थकों ने सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। हिंसा का केंद्र लताकिया और टार्टस शहर रहे, जहां सरकार ने कर्फ्यू लागू कर दिया है। सरकारी बलों और असद समर्थकों के बीच संघर्ष में 71 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें 35 सरकारी सैनिक, 32 पूर्व सैन्य बंदूकधारी और 4 नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। संघर्ष के चलते शीर, मुख्तारियेह और हफ्फा गांवों में हमले हुए, जिनमें 69 पुरुषों की मौत हो गई। बेरूत स्थित अल-मायादीन टीवी के अनुसार, अकेले मुख्तारियेह गांव में 30 से अधिक लोग मारे गए, जबकि बनियास शहर में महिलाओं और बच्चों सहित अन्य 60 लोग मारे गए। दिसंबर में विद्रोहियों ने असद सरकार को सत्ता से हटा दिया था, जिसके बाद देश में इस्लामी संक्रमणकालीन सरकार की स्थापना हुई। इस परिवर्तन के बाद से यह पहली बड़ी हिंसक घटना है। नई सरकार ने 14 साल के गृह युद्ध के बाद सीरिया को एकजुट करने का वादा किया है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, असद समर्थकों ने हाल के हमलों के प्रतिशोध में तट के पास स्थित कई गांवों पर हमला किया। रिपोर्ट के अनुसार, इनमें 140 लोग मारे गए, जिनमें से 50 सरकारी सैनिक और 45 असद समर्थक लड़ाके थे। सीरिया की राज्य समाचार एजेंसी SANA के अनुसार, सरकारी बलों पर हुए हमलों का बदला लेने के लिए असद समर्थकों ने जवाबी हमला किया, जिसके कारण हिंसा और बढ़ गई। दमिश्क ने लताकिया और टार्टस में कर्फ्यू लागू कर दिया है, और वहां सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

जिला न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत आयोजित

6906 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा समझौता राशि 13 करोड़ 26 लाख 49 हजार 284 रूपये जमा हुई
अलग-अलग रह रहे दंपति नेशनल लोक अदालत से खुशी-खुशी साथ लौटे

न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा के समक्ष प्रस्तुत लंबित मोटरयान दुर्घटना अधिकरण के प्रकरण में उन्नीस लाख रूपये राशि में दो पक्षों के मध्य समझाइश करवाकर राजीनामा करवाया गया।

सीहोर,(निप्र)। जिले में जिला एवं तहसील स्तर पर वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सतीश चंद्र शर्मा ने किया। लोक अदालत में 6906 प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं समझौता राशि 13 करोड़ 26 लाख 49 हजार 284 रूपये जमा हुई। प्रधान जिला न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि हमें हर योजना को उसके मूर्त रूप में लागू कर आमजन को लाभान्वित करना चाहिए। आमजन को सस्ता सरल और सुलभ न्याय दिलाने का लोक अदालत एक प्रभावी स्थान है, जो वर्तमान समय में समाज के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत से लोगों का धन और समय दोनों की बचत के साथ ही आपसी सौहार्द भी बना रहता है। लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के त्वरित निराकरण से पक्षकारों का न्यायिक प्रक्रिया के प्रति विश्वास बढ़ता है, जिससे और अधिक न्याय प्राप्ति के लिए इच्छुक पक्षकार अपने विवाद लेकर न्यायालय के समक्ष आने के लिए प्रेरित होते है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं एवं विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने न्यायालय परिसर में लगाए गए बैंक, नगर पालिका, विद्युत मंडल आदि के स्टॉलों का निरीक्षण भी किया।

कुल 6906 प्रकरणों का किया गया निराकरण

आज आयोजित नेशनल लोक अदालत में कुल 6906 प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं समझौता राशि 13 करोड़ 26 लाख 49 हजार 284 रूपये जमा हुए हैं। नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर निराकरण कराये जाने के लिए न्यायालय एवं उपभोक्ता फोरम में लंबित 1199 प्रकरण रखे गये थे जिनमें से 851 प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के आधार पर हुआ एवं समझौता राशि 06 करोड़ 70 लाख 74 हजार 639 रुपये जमा कराई गई। इसी प्रकार नेशनल लोक अदालत की खंडपीठ के समक्ष कुल 20248 प्री लिटिगेशन प्रकरण रखे गये थे जिनमें से 6055 प्रकरणों का निराकरण हुआ एवं समझौता राशि 06 करोड़ 55 लाख 74 हजार 645 रुपये जमा कराई गई।

अलग-अलग रह रहे दंपति खुशी-खुशी साथ लौटे

आयोजित नेशनल लोक अदालत में आवेदक श्रीमती मेहविस बी ने अपने पति सलमान के विरूद्ध तथा श्रीमती रजनी मीना ने अपने पति कृष्णकांत मीन के विरूद्ध कुटुम्ब न्यायालय सीहोर में भरण पोषण के लिए मामला प्रस्तुत किया था। दोनो प्रकरणों में दंपत्तियों के विवाह होने के बाद उनके एक-एक पुत्र है। इन दोनो ही प्रकरणों में साथ रहे पति-पत्नि के मध्य छोटी-मोटी पारिवारिक बातों को लेकर वह अलग-अलग रहने लगे थे जो कि विवाद में परिवर्तित हो गया और अलगाव की स्थिति निर्मित हो गई। इन प्रकरणों में पारिवारिक मामला तथा भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए कुटुंब न्यायालय वैभव मंडलोई एवं प्रधान न्यायाधीश की समझाइश के पश्चात दोनो पक्षों ने राजीनामा कर साथ जाने पर सहमति व्यक्त की तथा दोनों दंपत्ति एक दूसरे को माला पहनाकर खुशी-खुशी घर लौटे।

इसी प्रकार नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय वैभव मण्डलोई, विशेष न्यायाधीश हेमत जोशी, प्रथम अपर जिला न्यायाधीश संजय गोयल, द्वित्तीय जिला न्यायाधीश एम के वर्मा, तृतीय जिला न्यायाधीश अभिलाष जैन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती विनीता गुप्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह एवं अन्य न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राधेश्याम यादव, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान, सत्य साईं विश्वविद्यालय सीहोर से फैकल्टी सदस्य एवं आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, एनजीओ के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, मुख्यालय सीहोर के पैनल एवं अन्य अधिवक्तागण लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, खण्डपीठ सदस्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, पक्षकारगण न्यायालयीन कर्मचारी गण, पैरालीगल वालेन्टियर्स आदि उपस्थित रहे।

चर्चित मामला

इसी प्रकार आवेदक उमेश की पत्नि प्रिया एवं उनकी मां के बीच आपसी मतभेद लडाई-झगडे के कारण प्रतिदिन विवाद की स्थिति निर्मित होने से वह अलग रहने लगे थे। इस सम्बंध में उमेश ने कार्यालय में सुलह समझाइश के माध्यम से निराकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। इस प्रकरण में श्रीमती स्वप्नश्री सिह द्वारा सुलह समझाइश कराकर दोनो पक्षों के मध्य राजीनामा करवाया गया। इसके बाद दोनों दंपत्ति एक दूसरे को फूल-माला पहनाकर खुशी-खुशी घर रवाना हुए। राजीनामा करने वाले सभी पक्षकारों को प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा फूल माला एवं पौधे भी वितरित किए गए।

यह थे उपस्थित

कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय वैभव मण्डलोई, विशेष न्यायाधीश हेमत जोशी, प्रथम अपर जिला न्यायाधीश संजय गोयल, द्वित्तीय जिला न्यायाधीश एम के वर्मा, तृतीय जिला न्यायाधीश अभिलाष जैन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती विनीता गुप्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह एवं अन्य न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राधेश्याम यादव, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान, सत्य साईं विश्वविद्यालय सीहोर से फैकल्टी सदस्य एवं आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, एनजीओ के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, मुख्यालय सीहोर के पैनल एवं अन्य अधिवक्तागण लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, खण्डपीठ सदस्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, पक्षकारगण न्यायालयीन कर्मचारी गण, पैरालीगल वालेन्टियर्स आदि उपस्थित रहे।

खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने हेतु किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

सीहोर,(निप्र)। खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए पुनर्रयोजीत खेती के लिए सालिडरिडाड संस्था के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें जैविक कीटनाशक जीवामृत बनाने की विधि सिखाई गई। ग्राम गुड़भेला क्लस्टर इंचार्ज ठाकुर प्रसाद चंद्रवंशी ने बताया कि संस्था किसानों को खेती में कम लागत करने के लिए किसान पाठशाला को आयोजन के माध्यम से किसानों को जीवामृत अग्नि अस्त्र ब्रह्मास्त्र और कंडा टॉनिक बनाने की प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें आसपास के गांव मोगरा राम, हसनाबाद, कोनाझीर, रफीगंज के किसानों ने भाग लिया। कृषि विभाग की आत्मा योजना से विकासखण्ड सीहोर के बीटीएम संदीप कुमार, एटीम साधना तिवारी,एटीम संतोष वर्मा, एटीम रोशनी शर्मा, कृषि विकास अधिकारी दीपिका नागर का विशेष मार्गदर्शन रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला पुरुष उपस्थित रहे। ग्राम हसनाबाद के सरपंच अखिलेश वर्मा कार्यक्रम का आभार व्यक्त किया।

उत्कृष्ट पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज में अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ कृति रंग का शुभारंभ

सीहोर (निप्र)। उत्कृष्ट पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज में अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कृति रंग का शुभारंभ किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. एस. रोहिल्ला ने कहा कि रंगोली, मेहंदी, सजावट और चित्रकला जैसी प्रतियोगिताएं न केवल छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और उनकी उपलब्धियों को भी उजागर करती हैं। इस आयोजन को और भी रोचक बना रही है। यह न केवल एक उत्सव है बल्कि कला, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण को समर्पित एक प्रेरणादायक प्रयास भी है। प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एजाज, डॉ. एस.के. गुप्ता, संयोजिका डॉ. तृप्त झा, सहायक विनय मणि त्रिपाठी सहित समस्त प्राध्यापक एवं कार्यालय सदस्यों का सहयोग इस वार्षिक उत्सव को और भी खास बना दिया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा सार्वजनिक रुप से प्रदेश की जनता को भिखारी निरुपित करने एवं जिला चिकित्सालय में हो रही अनीयमित्ताओं को लेकर कांग्रेस ने किया एक दिवीय धरना प्रदर्शन

सीहोर,(निप्र) । मध्यप्रदेश सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रदेश की जनता को भिखारी निरूपित किया है। जिसको लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस पार्टी द्वारा स्थानीय लिसा टॉकिज चौराहे पर जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती की अध्यक्षता में धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस प्रभारी श्रीमती जयश्री हरिकरण एवं विशेष अतिथि जिला सहप्रभारी दिनेश मेंघानी व पवन कुमार पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम को ओमदीप राठौर, ओम वर्मा, कैलाश परमार, हरपाल ठाकुर द्वारा सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम का आभार कार्यकारी अध्यक्ष नईम नवाब एवं कार्यक्रम का संचालन सुनील दुबे ने किया। धरना स्थल पर पहुंची तहसीलदार श्रीमती नीलम कंसेंडिया को महाहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंप कर मंत्री प्रहलाद पटेल के इस्तीफे की मांग की गई। साथ ही सीहोर जिला चिकित्सालय की अव्यस्थाओं को लेकर भी कलेक्टर महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बताया गया कि सीहोर जिला चिकित्सालय में विगत कई माहिनों से कई प्रकार की लापरवाही और अव्यवस्थाएं सामने आ रही हैं । जिम्मेदार मौन बैठे हुए हैं और हिटलरशाही पर उतारू है। जिला अस्पताल में कुछ डॉक्टर या कर्मचारी रात में शराब के नशे में ड्यूटी करते हैं। इस पर तुरंत कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए ताकी इन घाटनाओं की पुनरावर्त्ति न हो।

15 मार्च से महादेव की होली, पंडित प्रदीप मिश्रा के साथ लाखों भक्त रहेंगे मौजूद

महादेव होली में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए नाश्ते और ठंडाई का किया जाएगा इंतजाम

सीहोर(निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में 15 मार्च को भगवान महादेव की होली मनाई जाएगी। पंडित प्रदीप मिश्रा लाखों भक्त के साथ महादेव की होली खेलेंगे। पिछले कई सालों से सीहोर में नवाबों की होली मनाई जाती थी लेकिन सीहोर के अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के आह्वान पर पिछले 5 वर्षों से भगवान महादेव के साथ होली मनाई जाती है। इसमें बड़ी संख्या में सीहोर नगर सहित आसपास क्षेत्र एवं अन्य प्रदेशों से शिव भक्त शामिल होते हैं। उनकी उपस्थिति में महादेव की होली मनाई जाती है। इस बार होली में देश ही नहीं प्रदेश में रहने वाले विदेशी भी महादेव की होली में मौजूद रहेंगे। इसको लेकर शहर के अनेक स्थानों पर विभिन्न समितियों की ओर से नाश्ते और ठंडाई का इंतजाम किया जाएगा। श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के संचालक राहुल सिंह के निर्देश के पश्चात समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि केन्द्र में महादेव की होली को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। गुलाल, पुष्प के अलावा यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के नाश्ते का इंतजाम किया जाएगा। बैठक का आयोजन विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला और विनय मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया है।इसको लेकर श्रद्धा भक्ति समिति, जिला संस्कार मंच सहित अन्य ने शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित वृद्धाश्रम और संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में होली की तैयारियों के सिलसिले में बड़ी संख्या में हितग्राहियों की बैठक का आयोजन किया गया।

अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर

ग्राम हैदरगंज में शासकीय भूमि को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

सीहोर,(निप्र) । कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देश पर तहसीलदार भारत नायक के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सीहोर तहसील के ग्राम हैदरगंज में शासकीय भूमि से कब्जा हटाया गया। यह भूमि खेल मैदान के लिए आवंटित की गई थी। इस भूमि पर बलराम पिता बाबूलाल, रघुवीर पिता रामदयाल ने अनाधिकृत कब्जा कर रखा था तथा महेश पिता रामसिंह द्वारा अनाधिकृत कब्जा कर पक्के मकान का निर्माण कर लिया गया था। जिसे टीम द्वारा जेसीबी की सहायता से ध्वस्त किया गया एवं अतिक्रामकों से शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अतिक्रमण हटाते समय वहां उपस्थित बच्चों ने खेल मैदान से अतिक्रमण हटाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रशासन की धन्यवाद दिया।

खेलो इंडिया स्माल सेंटर का विशेष शिविर का आयोजन

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर खेलो इंडिया स्माल सेंटर के द्वारा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें करीब 45 से अधिक खिलाड़ी निशुल्क रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। इन खिलाड़ियों को पंजीकृत किया गया है और आगामी दिनों में होने वाली बड़ी प्रतियोगिता के लिए इन खिलाड़ियों को शामिल भी किया जाएगा।

शनिवार को शहर के चर्च मैदान पर भारतीय खेल प्राधिकरण के डारेक्टर नरेश कुमार और अतिरिक्त डारेक्टर ने यहां पर चल रही खेल गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए यहां पर उपस्थित खिलाड़ियों से कहा कि चर्च मैदान खेलो इंडिया स्माल सेंटर का हब है और यहां सक्रिय रूप से जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में खेल की गतिविधियों संचालित की जा रही है। इस मौके पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया, विपिन पवार खेल इंडिया स्माल सेंटर के प्रभारी आदि ने खिलाड़ियों को संचालक श्री कुमार से परिचय कराया। वहीं एक मैच का आयोजन किया गया था। जिसमें खेलो इंडिया स्माल सेंटर की महिला टीम ने पुरष वर्ग की टीम को कांटे के मुकाबले में 2-1 से हराया। इस मैच में खेलो इंडिया स्माल सेंटर की महिला टीम की ओर से मुस्कान और माया गौर ने 1-1 गोल किया। वहीं एक मात्र गोल पुरुष टीम की ओर से मोहित ने किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का निरीक्षण, विद्यार्थियों ने समझी न्यायिक प्रक्रिया

सीहोर(निप्र)। श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज, सीहोर के विधि विभाग के छात्रों ने जिला न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य छात्रों को न्यायिक प्रक्रिया और लोक अदालत के महत्व को समझने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। विश्वविद्यालय के कुलगुरु, डॉ. मुकेश तिवारी द्वारा इस कार्यक्रम को छात्रों के भविष्य के लिए सौगात बताया। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर सतीश चंद्र शर्मा, हेमंत जोशी विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी सीहोर, एमके वर्मा जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर, जीशान खान जिला विधिक सहायता अधिकारी सीहोर, स्कूल ऑफ लॉ की डीन, डॉ. अमृता सोनी, और विभागाध्यक्ष, श्रीमती शोभा व्यास,एवं समस्त न्यायिक अधिकारी एवं वरिष्ठ विधि व्याख्ता ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। छात्रों ने लोक अदालत में मामलों की सुनवाई, सुलह प्रक्रिया और विवादों के निपटान को करीब से देखा।

लोक अदालतें भारतीय न्याय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो विवादों का समाधान शीघ्र और कम खर्च में करने के लिए स्थापित की गई हैं। इन अदालतों का उद्देश्य आम जनता को न्याय दिलाना है, ताकि वे लंबी न्यायिक प्रक्रियाओं से बच सकें। लोक अदालतों में विश्वविद्यालय के छात्रों और अधिकारियों का भाग लेना समाज में कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया को सुलभ और समग्र बनाता है। लोक अदालतें एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली के रूप में काम करती हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों को जल्दी सुलझाना है। ये अदालतें आमतौर पर उन मामलों पर ध्यान केंद्रित करती हैं जो दीवानी, आपराधिक, परिवारिक और श्रमिक संबंधी होते हैं। इन अदालतों के माध्यम से, न्यायिक प्रक्रिया को सरल, त्वरित और कम खर्चीला बनाया जाता है। विश्वविद्यालय के छात्र अक्सर लोक अदालतों में शामिल होते हैं, क्योंकि यह उन्हें न्यायिक प्रक्रिया और कानूनी अधिकारों के बारे में गहरी समझ प्राप्त करने का एक अवसर प्रदान करता है। यह छात्रों को कानूनी पेशेवरों से जुड़ने, उनके अनुभवों को समझने और विभिन्न कानूनी मुद्दों पर विचार करने का मौका देता है। लोक अदालतों में भाग लेने से छात्रों को यह सिखने का अवसर मिलता है कि कैसे कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है और विवादों को कैसे सुलझाया जाता है। यह उनके समग्र शिक्षा अनुभव को और भी समृद्ध करता है, और उन्हें समाज के न्यायिक तंत्र में एक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना।
स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com